प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-162 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शुक्रवार, 7 अगस्त 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

आस्था, शिल्प और वैभव का संगम है बांकेबिहारी का स्वर्ण हिंडोला

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन के विश्वविख्यात ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में हरियाली तीज का पर्व श्रद्धालुओं के लिए विशेष महत्व रखता है। इस दिन वर्ष में केवल एक बार ठाकुर बांकेबिहारी महाराज को स्वर्ण–रजत निर्मित दिव्य हिंडोले पर विराजमान कराया जाता है। इन दुर्लभ दर्शनों के लिए देश–विदेश से लाखों श्रद्धालु वृंदावन पहुंचते हैं, जो पूरे वर्ष इस पावन अवसर की प्रतीक्षा करते हैं।

मंदिर की परंपरा के अनुसार, श्रावण शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि यानी हरियाली तीज पर ही ठाकुरजी स्वर्ण हिंडोले में विराजते हैं। दर्शन के समय उन्हें सुगंधित इत्र से सुवासित, रेशमी कढ़ाई वाले हरे वस्त्र और आकर्षक आभूषणों से अलंकृत किया जाता है। हरियाली से सजे मंदिर परिसर और झूलन उत्सव के बीच ठाकुरजी का यह दिव्य स्वरूप श्रद्धालुओं को भक्ति रस से सराबोर कर देता है।

स्वर्ण हिंडोला अपनी कलात्मकता और ऐतिहासिक महत्व के लिए भी प्रसिद्ध है। वर्ष 1946 में सेठ हर गुलाल बेरीवाल परिवार ने इसके निर्माण का संकल्प लिया था। कनकपुर के जंगलों से मंगाई गई विशेष लकड़ी पर बनारस के प्रसिद्ध कारीगर लल्लू और उनकी टीम ने महीनों की मेहनत से बारीक नक्काशी की। इसके बाद एक हजार तोला सोना और दो हजार तोला चांदी के पत्रों से हिंडोले को भव्य स्वरूप दिया गया। हिंडोले के दोनों ओर स्थापित आदमकद सखियों की प्रतिमाएं इसकी

स्वर्ण हिंडोला, जिसमें ठाकुर बांकेबिहारी विराजमान होकर श्रद्धालुओं को देंगे दर्शन।

सुंदरता को और आकर्षक बनाती हैं।

करीब 12 किलो सोना और 24 किलो चांदी से निर्मित इस बेशकीमती हिंडोले का अनुमानित वर्तमान मूल्य लगभग 19 करोड़ रुपये आंका जाता है। इसी कारण हरियाली तीज

हरियाली तीज पर मिलता है दुर्लभ दर्शन का अवसर, लाखों श्रद्धालु करते हैं इंतजार

12 किलो सोना और 24 किलो चांदी से सजा हिंडोला आस्था और शिल्प का अद्भुत संगम

पर मंदिर परिसर में सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए जाते हैं। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए पुलिस, प्रशासन और मंदिर प्रबंधन मिलकर दर्शन व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए व्यापक प्रबंध करते हैं। यह दुर्लभ परंपरा ब्रज की समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत का अनूठा प्रतीक मानी जाती है।

सावन का महीना भगवान श्रीकृष्ण और राधारानी की लीलाओं का विशेष काल माना जाता है। हरियाली तीज पर होने वाले स्वर्ण हिंडोला दर्शन केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि ब्रज की सदियों पुरानी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपरा का जीवंत प्रतीक हैं। इस दौरान यहां के मंदिरों में भजन–कीर्तन, पुष्प सज्जा और उत्सवी वातावरण श्रद्धालुओं को भक्ति रस में सराबोर कर देता है। इस बार भी लाखों श्रद्धालुओं के आगमन की संभावना है, जिससे पूरा वृंदावन राधे–राधे के जयघोष और भक्ति के उल्लास से गूंज उठेगा।

यमुना का जलस्तर बढ़ा फसल की चिंता में किसान

यूनिक समय, मथुरा। यमुना का पानी बढ़ने से किनारों पर रहने वाले गांव, कस्बों और शहर में अब चिंता होने लगी है। यमुना का बढ़ा जलस्तर शेरगढ़ के किसानों की फसलों को डुबोने के लिए मचलने लगा है, जिससे किसान चिंतित होने लगे हैं। वृंदावन में यमुना के बढ़े पानी से केसी घाट पर तीन सीढ़ियां डूब गई हैं।

शेरगढ़: क्षेत्र में यमुना नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने से यमुना किनारे खादर क्षेत्र में खेती करने वाले किसानों की चिंता बढ़ गई है। बढ़ते जलस्तर के कारण किसानों को अपनी फसलों के डूबने का डर सताने लगा है। किसानों ने खादर क्षेत्र में विभिन्न प्रकार की मौसमी सब्जियों, पशुओं के लिए हरा चारा और अन्य फसलों की बुवाई की थी, लेकिन यमुना का पानी लगातार बढ़ने से फसलों को नुकसान होने की आशंका गहरा गई है। यदि जलस्तर इसी तरह बढ़ता रहा तो किसानों की महीनों की मेहनत पर पानी फिर सकता है। स्थानीय किसानों का कहना है कि हर वर्ष बरसात के मौसम में

फसलों को चपेट में लेने को बढ़ता यमुना का पानी।

यमुना का जलस्तर बढ़ने से खादर क्षेत्र की फसलें प्रभावित होती हैं। इस बार भी हालात चिंताजनक होते जा रहे हैं। किसानों ने प्रशासन से स्थिति पर लगातार निगरानी रखने और आवश्यकता पड़ने पर समय रहते उचित सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है।

वृंदावन: लगातार हो रही वर्षा और ऊ परी जलग्रहण क्षेत्रों से छोड़े गए पानी के कारण यमुना का जलस्तर एक बार फिर बढ़ गया है। जलस्तर में हुई इस

वृंदावन में जल स्तर फिर बढ़ा केशी घाट की तीन सीढ़ी डूबीं

बढ़ोतरी का असर वृंदावन के प्रसिद्ध केशी घाट पर दिखाई देने लगा है। बढ़ते जल के कारण घाट की तीन सीढ़ियां पूरी तरह डूब गई हैं, जिससे स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं में चिंता का माहौल है। जलस्तर बढ़ने के कारण घाट पर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत कर दिया गया है। प्रशासन ने श्रद्धालुओं से सावधानी बरतने तथा गहरे पानी में जाने से बचने की अपील की है। घाट पर तैनात पुलिस और आपदा राहत दल लगातार स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। स्थानीय नाविकों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों की तुलना में यमुना का बहाव तेज हुआ है। यदि जलस्तर इसी प्रकार बढ़ता रहा तो घाट की और सीढ़ियां भी जलमग्न हो सकती हैं। वहीं, घाट के आसपास रहने वाले लोगों को भी सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

केले के हिंडोले में विराजे ठा. द्वारकाधीश

यूनिक समय, मथुरा। सावन मास पर पुष्टिमार्गीय परंपरा के अनुसार श्री ठाकुर द्वारकाधीश मंदिर में शुक्रवार को भगवान द्वारकाधीश केले के हिंडोले में विराजमान हुए। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने ठाकुरजी के दिव्य स्वरूप के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

मंदिर के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी ने बताया कि मंदिर के सभी धार्मिक कार्यक्रमों का निर्धारण मंदिर के गोस्वामी डॉ. वागीश कुमार (कांकरोली नरेश, तृतीय पीठ) के निर्देशन में किया जाता है। उन्होंने बताया कि उसी परंपरा के अनुसार सावन मास के नवें दिन ठाकुरजी को विशेष रूप से केले के

हिंडोले में विराजमान कराया गया। शनिवार को सायंकाल 5:10 बजे से 5:40 बजे तक ठाकुरजी महाराज केसरी मखमल के हिंडोले में भक्तों को दर्शन देंगे।

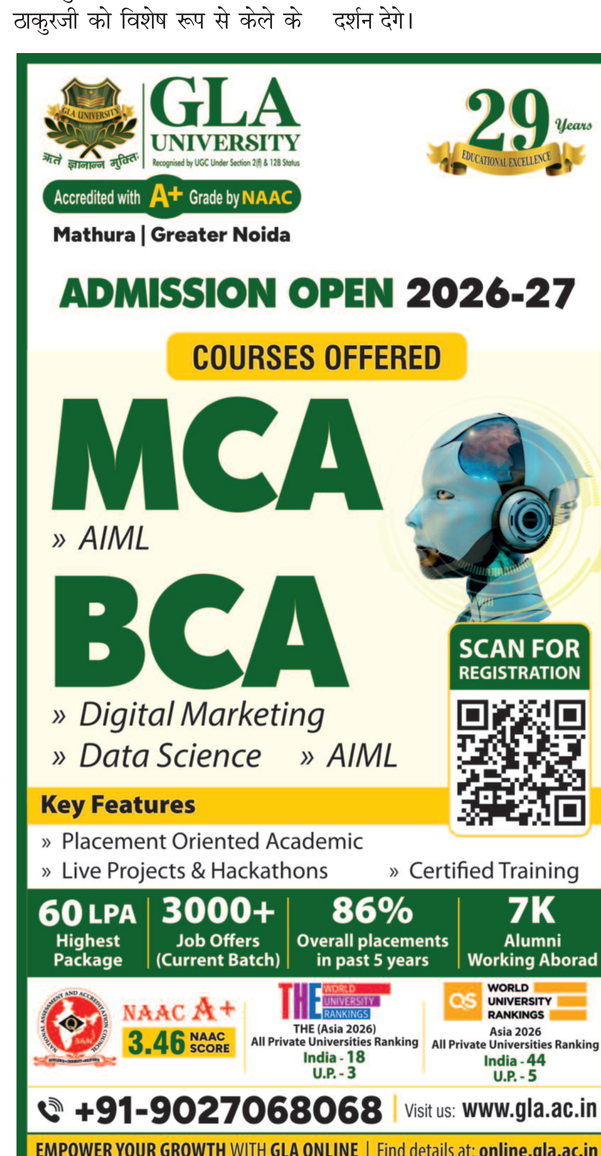

संत प्रेमानंद ने तीर्थ में स्वच्छता और अनुशासन अपनाने का दिया संदेश

वृंदावन आएं श्रद्धा से, धाम की पवित्रता भी बचाएं

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार को संत प्रेमानंद ने हमने यह ठाना है, ब्रज को स्वच्छ बनाना है, अभियान को साकार करने के लिए एक वीडियो संदेश जारी किया है। इंटरनेट मीडिया पर जारी किए गए वीडियो संदेश में संत ने श्रद्धालुओं को वृंदावन और ब्रज का महत्व समझाया है।

श्रद्धालुओं को ब्रज का महत्व बताते हुए संत ने कहा है कि भगवान श्रीकृष्ण की लीलास्थली वृंदावन को केवल एक धार्मिक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि आस्था, भक्ति और आध्यात्मिक चेतना का केंद्र माना जाता है। इसलिए धाम में आने वाला प्रत्येक व्यक्ति इसकी पवित्रता, स्वच्छता और मर्यादा बनाए रखने का संकल्प लेकर आए। उन्होंने कहा कि वृंदावन भगवान का परम मंगलमय धाम है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं

को यह ध्यान रखना चाहिए कि किसी भी प्रकार की गंदगी फैलाना, भोजन के दोने–पत्तल या अन्य कचरा इधर–उधर फेंकना, सार्वजनिक स्थानों पर थूकना या स्वच्छता के नियमों की अनदेखी करना धाम की गरिमा के अनुरूप नहीं है। प्रत्येक श्रद्धालु का कर्तव्य है कि वह मंदिरों, घाटों और सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने में सहयोग करे।

धर्माचार्य ने कहा कि वृंदावन सेवा, साधना और सदाचार की भूमि

श्रद्धालुओं से कहा–धार्मिक मर्यादा रखकर करें सेवा और श्रद्धा का व्यवहार

है। यहां आने वाला हर व्यक्ति ऐसा आचरण करे जिससे धाम की पवित्रता और सम्मान बना रहे। उन्होंने नशा, अभद्र व्यवहार, अनैतिक गतिविधियों और अशोभनीय आचरण से दूर रहने की भी अपील की। उनका कहना था कि तीर्थस्थलों पर संयम, विनम्रता और सेवा की भावना ही सच्ची श्रद्धा का परिचय देती है। उन्होंने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वृंदावन की पहचान केवल मंदिरों से नहीं, बल्कि यहां के आध्यात्मिक वातावरण से भी है। यदि प्रत्येक भक्त स्वच्छता, अनुशासन और धार्मिक मर्यादा का पालन करेगा, तो आने वाली पीढ़ियां भी इसी दिव्य स्वरूप में वृंदावन के दर्शन कर सकेंगी। संतों ने कहा कि धाम की सेवा केवल पूजा–अर्चना से नहीं, बल्कि उसके संरक्षण और स्वच्छता में योगदान देने से भी होती है। संतों ने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि धाम की सेवा केवल पूजा–अर्चना तक सीमित न रखें, बल्कि उसके संरक्षण, स्वच्छता और पर्यावरण की रक्षा में भी सक्रिय भागीदारी निभाएं। उनका कहना है कि जब हर भक्त स्वयं जिम्मेदारी निभाएगा, तभी वृंदावन की आध्यात्मिक गरिमा, सांस्कृतिक विरासत और पावन स्वरूप लंबे समय तक सुरक्षित रह सकेगा। नगर निगम आयुक्त ओजस्वी राज की पहल पर जारी स्वच्छता से जुड़ी यह अपील हर किसी को ब्रज को स्वच्छ- सुंदर रखने को प्रेरित करती है।

जन्माष्टमी, तीज और स्वतंत्रता दिवस तैयारियों की डीएम ने की समीक्षा

कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में डीएम चंद्रप्रकाश सिंह आदि अधिकारी।

सड़क, सुरक्षा, स्वास्थ्य और बिजली व्यवस्थाओं को समय से दुरुस्त करने के निर्देश

घाटों पर बैरिकेडिंग गोताखोर, पार्किंग और सीसीटीवी व्यवस्था होगी मजबूत

यूनिक समय, मथुरा। स्वतंत्रता दिवस, हरियाली तीज और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के सफल-सुरक्षित आयोजन को लेकर डीएम चंद्र प्रकाश सिंह और एसएसपी श्लोक कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी विभागों को समयबद्ध तरीके से तैयारियां पूरी करने और श्रद्धालुओं और नागरिकों की सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए।

डीएम ने लोक निर्माण विभाग को सभी प्रमुख मार्गों को गड्ढामुक्त करने और आवश्यक मरम्मत कार्य शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। सिंचाई विभाग को यमुना के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए डेंजर लेवल की मार्किंग, लाल झंडी लगाने और सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित करने को कहा। नगर निगम, पुलिस और संबंधित एसडीएम को नाव संचालकों के साथ बैठक कर सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए गए।

स्वास्थ्य विभाग को प्रमुख अस्पतालों की मैपिंग, चिकित्सकों की उपलब्धता, निजी अस्पतालों में बेड आरक्षित रखने, घाटों और भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में स्वास्थ्य शिविर और एम्बुलेंस की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वहीं विद्युत विभाग को निर्बाध बिजली आपूर्ति, खुले विद्युत बॉक्स बंद कराने, ट्रांसफार्मरों की फेंसिंग और लटके तारों को व्यवस्थित करने के निर्देश दिए गए।

एसएसपी श्लोक कुमार ने पार्किंग स्थलों का चिन्हांकन, डायवर्जन प्लान का व्यापक प्रचार, बैरिकेडिंग, पीस कमेटी की बैठकें और प्रमुख मंदिर प्रबंधन के साथ समन्वय बढ़ाने पर जोर दिया। डीएम ने नगर निगम को साफ–सफाई, घाटों पर बैरिकेडिंग, गोताखोरों की तैनाती, तिरंगा और फसाड लाइटिंग, पेयजल, खोया–पाया केंद्र, सीसीटीवी कंट्रोल रूम, पीए सिस्टम और दिशा–सूचक बोर्ड की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सीवीओ को बेसहारा गोवंशों को पकड़कर गौशालाओं में संरक्षित करने के भी निर्देश दिए गए।

बैठक में नगर आयुक्त ओजस्वी राज, सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता, एसपी ग्रामीण सुरेश चंद्र रावत, डीएफओ वेंकट श्रीकर पटेल, सीओ सिटी आशना चौधरी, एडीएम वित्त-राजस्व डॉ. पंकज कुमार वर्मा, एडीएम प्रशासन अमरेश कुमार, एडीएम नमामि गंगे नंद प्रकाश मौर्या, एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह, नगर मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्रा, अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह, विप्रा सचिव आशीष कुमार सिंह, पीडी डीआरडीए अरुण कुमार उपाध्याय, डीडीओ गरिमा खरे सहित समस्त एसडीएम, सीओ, जिला स्तरीय अधिकारी और बीडीओ मौजूद रहे।

राया में निकली कलश वंदन यात्रा

राया में निकली कलश वंदन यात्रा के शुभारंभ पर कार्यकर्ताओं के साथ विधायक पूरन प्रकाश।

यूनिक समय, राया। संत शिरोमणि रविदास की 650 वीं जयंती पर कलश वंदन यात्रा राया मंडल में निकाली गयीं। शुभारंभ विधायक पूरन प्रकाश ने किया। यात्रा गणेशबाग माता मनकामेश्वरी देवी मंदिर से प्रारंभ होकर मथुरा मार्ग होते हुए ग्राम सूरज पहुंची, जहां भाजपा कार्यकर्ताओं ने कलशयात्रा का स्वागत किया। इस अवसर पर चेयरमैन राजकुमार अग्रवाल, आकाश चौधरी, सुरेश तरकर, अनिल रावत, मंडल अध्यक्ष रामकुमार उपाध्याय, मोहित अग्रवाल, मुकेश अग्रवाल, पवनेश सारस्वत, हरिओम चौधरी, संजय गोयल, मुकेश पाठक और प्रमोद कुमार आदि उपस्थित थे।

नगर निगम में आधुनिक कंपैक्टर सिस्टम शुरू

6600 फाइलों का होगा सुरक्षित संरक्षण

आधुनिक फाइल स्टोरेज का शुभारंभ करते नगर आयुक्त ओजस्वी राज। साथ हैं अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार।

यूनिक समय, मथुरा। नगर निगम मथुरा–वृंदावन ने अभिलेखों के सुरक्षित और सुव्यवस्थित प्रबंधन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए भूतेश्वर स्थित मुख्यालय के रिकॉर्ड विभाग में आधुनिक फाइल स्टोरेज (कंपैक्टर) सिस्टम का शुभारंभ किया। नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने फीता काटकर इस अत्याधुनिक व्यवस्था का उद्घाटन किया। नई प्रणाली के शुरू होने से कार्यालयीन अभिलेखों के रखरखाव और उपलब्धता में उल्लेखनीय सुधार होने की उम्मीद है।

नगर निगम में स्थापित इस कंपैक्टर सिस्टम में एक साथ 6,600 फाइलों को सुरक्षित रखने की क्षमता है। इसके माध्यम से विभिन्न विभागों के महत्वपूर्ण दस्तावेजों और अभिलेखों का वैज्ञानिक तरीके से संरक्षण किया जाएगा। आवश्यकता पड़ने पर संबंधित फाइलों को कम समय में आसानी से उपलब्ध कराया जा सकेगा, जिससे कार्यालयीन कार्यों में तेजी आएगी।

नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने कहा कि आधुनिक तकनीक आधारित यह व्यवस्था रिकॉर्ड प्रबंधन को अधिक प्रभावी और व्यवस्थित बनाएगी। कंपैक्टर सिस्टम फाइलों को धूल, नमी, गंदगी और अन्य बाहरी क्षति से सुरक्षित रखेगा, जिससे महत्वपूर्ण अभिलेखों का दीर्घकालीन संरक्षण सुनिश्चित होगा। साथ ही सीमित स्थान का अधिकतम उपयोग भी संभव हो सकेगा।

आईसीआईसीआई बैंक के सहयोग से स्थापित यह आधुनिक फाइल स्टोरेज (कंपैक्टर) सिस्टम नगर निगम के रिकॉर्ड प्रबंधन को नई दिशा प्रदान करेगा। उद्घाटन अवसर पर अपर नगर आयुक्त अनिल कुमार, नगर निगम के अधिकारी, कर्मचारी, आईसीआईसीआई बैंक के अधिकारी उपस्थित रहे।

पार्षदों संग नगर आयुक्त ने विकास कार्यों और जनसमस्याओं पर की समीक्षा

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार को नगर निगम के भूतेश्वर मुख्यालय में नगर आयुक्त ओजस्वी राज ने मथुरा सिटी जोन के पार्षदों के साथ विकास कार्यों और जनसमस्याओं को लेकर समीक्षा बैठक की। बैठक में वार्डवार सफाई व्यवस्था, नाले–नालियों की सफाई, सीवर, पेयजल, स्ट्रीट लाइट, सड़कों की पैच मरम्मत, जलभराव और अन्य विकास कार्यों की समीक्षा की गई। नगर आयुक्त ने पार्षदों से उनके वार्डों की प्रमुख समस्याओं और नागरिकों की अपेक्षाओं पर सुझाव लेकर संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए।

नगर आयुक्त ने शहर को स्वच्छ बनाने के लिए सभी डलावघरों (जीवीपी) को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की कार्ययोजना पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधियों के सहयोग से प्रत्येक वार्ड के लिए अलग कार्ययोजना बनाकर विकास कार्यों को गति दी जाएगी। बैठक में पार्षदों ने भी अपने–अपने वार्डों की समस्याएं और विकास संबंधी सुझाव रखे। नगर आयुक्त ने भरोसा दिलाया कि सभी सुझावों पर गंभीरता से कार्रवाई कर मूलभूत सुविधाओं को बेहतर बनाया जाएगा, ताकि मथुरा–वृंदावन को स्वच्छ, व्यवस्थित और विकसित शहर के रूप में स्थापित किया जा सके। बैठक में अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह और अनिल कुमार भी मौजूद रहे।

आध्यात्म भाव में डूबे नजर आए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविद

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद शुक्रवार दोपहर निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार सड़क मार्ग से मंदिरों की नगरी पहुंचे। इस दौरान पुलिस और प्रशासन सतर्क नजर आया। यहां आने के बाद पूर्व राष्ट्रपति आध्यात्म में डूबे नजर आए।

पूर्व राष्ट्रपति के आगमन को लेकर ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। पुलिस बल की अतिरिक्त तैनाती के साथ यातायात व्यवस्था को भी सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष इंतजाम किए। पूर्व राष्ट्रपति

ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन करते पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविद परिजनों के साथ।

रामनाथ कोविद सायं को ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर पहुंचे। उन्होंने यहां ठाकुर बांकेबिहारी महाराज के दर्शन कर पूजा- अर्चना की। साथ में उनकी पत्नी और बेटी भी आई बताई जाती है। सेवायतों ने पूर्व राष्ट्रपति को दुपट्टा

ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में परिजनों के साथ किए दर्शन

ओढ़ाकर प्रसादी भेंट की। पूर्व राष्ट्रपति यहां से श्रीकृष्ण बलराम इस्कान मंदिर और प्रेम मंदिर भी पहुंचे। हालांकि पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविद के वृंदावन पहुंचने के बाद बारिश भी हो गई। इस कारण प्रशासनिक अधिकारियों की चिंता भी बढ़ गई। यमुना एक्सप्रेस वे पानी गांव होकर आए पूर्व राष्ट्रपति के काफिले को कड़ी सुरक्षा के बीच वृंदावन लाया गया।

नौगांव में 'भूतनी' दिखने की चर्चा से दहशत, प्रशासन से जांच की मांग

यूनिक समय, मथुरा। छाता तहसील के गांव नौगांव में इन दिनों रात के समय कथित रूप से 'भूतनी' दिखाई देने की चर्चाओं ने ग्रामीणों के बीच भय का माहौल पैदा कर दिया है। गांव में यह बात तेजी से फैलने के बाद लोगों में तरह-तरह की आशंकाएं जन्म लेने लगी हैं। कई ग्रामीणों का कहना है कि अंधेरा होने के बाद एक रहस्यमयी आकृति दिखाई देने की बातें सुनने को मिल रही हैं, जिसके कारण लोग देर शाम के बाद घरों से बाहर निकलने से भी बच रहे हैं।

ग्रामीणों के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से गांव में लगातार इस तरह की चर्चाएं हो रही हैं। कुछ लोगों का दावा है कि उन्होंने रात के समय दूर से एक संदिग्ध आकृति देखी, जबकि अन्य लोग इसे केवल सुनी-सुनाई बात बता रहे हैं। इन अफवाहों के चलते गांव में डर का वातावरण बन गया है और लोग रात में अकेले निकलने से परहेज कर रहे हैं।

हालांकि, अब तक पुलिस या किसी भी प्रशासनिक विभाग ने ऐसी किसी घटना की आधिकारिक पुष्टि नहीं

जेसीबी के सामने फोटो में नजर आ रही आकृति, जिसे भूतनी बताया जा रहा है।

की है। प्रशासन की ओर से यह भी स्पष्ट नहीं किया गया है कि मामला किसी शरारती तत्व की हरकत है, किसी भ्रम का परिणाम है या केवल अफवाहों के कारण लोगों में दहशत फैल रही है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने और सच्चाई सामने लाने की मांग की है, ताकि लोगों में व्याप्त भय और भ्रम दूर हो सके। वहीं पुलिस भी स्थानीय लोगों से अपील कर रही है कि बिना सत्यापन किसी भी अफवाह पर विश्वास न करें और न ही इंटरनेट मीडिया या अन्य माध्यमों से अपुष्ट जानकारी साझा करें।

सीडीओ ने अक्षय पात्र फाउंडेशन की केंद्रीकृत रसोई का किया निरीक्षण

आधुनिक मशीनों और स्वच्छता व्यवस्था का लिया जायजा, गुणवत्ता की सराहना

तापमान नियंत्रित वाहनों से विद्यार्थियों तक पहुंचता है गर्म और पौष्टिक भोजन

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार को सीडीओ पूजा गुप्ता ने वृंदावन स्थित अक्षय पात्र फाउंडेशन के केंद्रीकृत रसोईघर का निरीक्षण कर भोजन निर्माण और वितरण व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने आधुनिक तकनीक आधारित खाद्य निर्माण प्रणाली, स्वच्छता मानकों और गुणवत्ता नियंत्रण व्यवस्था का अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने स्वचालित रोटी निर्माण मशीन, नमकीन निर्माण मशीन, सब्जी कटिंग मशीन, कोल्ड रूम, राइस कुकर और दाल कुकर सहित विभिन्न आधुनिक उपकरणों का निरीक्षण किया। इसके अलावा स्टेनलेस स्टील इंसुलेटेड कंटेनरों, लोडिंग प्लेटफॉर्म, बर्तनों की धुलाई व्यवस्था, स्टीम बॉयलर, ईटीपी प्लांट और खाद्यान्न भंडारण प्रणाली की भी

अक्षय पात्र फाउंडेशन की जानकारी लेतीं सीडीओ पूजा गुप्ता।

जानकारी ली।

संस्था के ऑपरेशन मैनेजर अमित कुमार ने बताया कि रसोईघर में भोजन पूरी तरह स्टीम आधारित आधुनिक तकनीक से तैयार किया जाता है, जिससे भोजन की गुणवत्ता, पोषण और स्वच्छता सुनिश्चित रहती है। तैयार भोजन को निर्धारित मानकों के अनुरूप पैक कर विशेष तापमान नियंत्रित इंसुलेटेड वाहनों से समय पर विद्यालयों तक पहुंचाया जाता है, ताकि विद्यार्थियों को गर्म, सुरक्षित और पौष्टिक भोजन मिल सके। सीडीओ ने रसोईघर की साफ-सफाई, आधुनिक तकनीक और सुव्यवस्थित कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मध्यान्ह भोजन उपलब्ध कराने में अक्षय पात्र फाउंडेशन सराहनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने संस्था को भविष्य में भी गुणवत्ता, स्वच्छता और समयबद्ध वितरण के उच्च मानकों को बनाए रखने के निर्देश दिए।

वृंदावन में राहत के साथ आफत बनी बारिश

यूनिक समय, वृंदावन। शुक्रवार सुबह उमस भरी गर्मी से लोगों को अपरान्ह के वक्त उस समय राहत मिली, जब आसमान में छाए काले बादलों की घटा घनघोर बरस पड़ी। मंदिरों की नगरी में आवागमन थम सा गया। रास्ते में चल रहे राहगीरों के कदम जहां के तहां रुक गए, वह सुरक्षित स्थानों पर खड़े हो गए। कई क्षेत्रों में सड़कें जलमग्न हो गई। अपरान्ह तीन बजे के आसपास शुरु हुई बारिश से पहले ही स्कूलों से बच्चे घरों में पहुंच गए। पहले बारिश हुई होती तो बच्चे रस्ते में फंस जाते। फिर भीगते हुए घरों तक पहुंचते। घनघोर बारिश में कई इलाकों के बच्चे लुफ्त लेते देखे गए। पिछले कई दिनों से लोगों की निगाहें आसमान की ओर लगी देखी गई। वह उमस से राहत पाने के लिए बारिश का इंतजार कर रहे थे। आज हुई बारिश से लोगों के चेहरे खिल उठे। इंद्रदेवता का शुक्रगुजार करने लगे। वैसे भी श्रावण मास बारिश का होता है।

बारिश होने आम जनता के साथ किसान भी काफी प्रफुल्लित है। दूसरी ओर सड़कों के जल मग्न होने से राहगीरों को पानी में होकर चलने को विवश होना पड़ रहा है। मंदिरों की ओर जाने वाले रास्तों में पानी भरने से व्यापारी भी परेशान दिखाई दिए।

कोसी में 11 होंगे बाबा बर्फानी के दर्शन

यूनिक समय, कोसीकलां। श्रावण शिवरात्रि पर नगर के प्रसिद्ध गोमती कुंड पर इस बार श्रद्धालुओं को बाबा बर्फानी के दिव्य दर्शन होंगे। 11 अगस्त को भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आकर्षण 10 फीट ऊंचा हिम शिवलिंग होगा।

पहाड़ों पर स्थित अमरनाथ गुफा में विराजमान बाबा बर्फानी के स्वरूप को यहां साकार किया गया है। मान्यता है कि ऐसे दर्शन मात्र से ही भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। सेवा टीम के सदस्य रोहन चौधरी ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत शाम साढ़े चार बजे भजन संध्या से होगी। इसके बाद शाम साढ़े सात बजे गोमती कुंड तट पर महाआरती का आयोजन होगा।

लूटकांड का खुलासा, दो लुटेरे पकड़े

यूनिक समय, वृंदावन। कोतवाली पुलिस ने परिक्रमा मार्ग में डेढ़ माह पहले हुई लूट का खुलासा कर शातिर दो लुटेरों को दबोच लिया। पुलिस की मानें तो पकड़े गए आरोपी मौसेरे भाई हैं। उनके कब्जे से लूटा गया मोबाइल, दो अवैध चाकू और घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल बरामद हुई है। कोतवाली प्रभारी अश्वनी कुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने शुक्रवार को कच्ची रेलवे लाइन के पास से सतीश उर्फ अंडा निवासी ग्राम पानी गांव थाना जमुनापार और कृष्णा निवासी भरतपुर, राजस्थान को पकड़ा।

कोसी में खुले आम बिक रही है हरियाणा की शराब

यूनिक समय, कोसीकलां। कस्बे में हरियाणा से होने वाली शराब तस्करी को रोक पाने में पुलिस और आबकारी विभाग पूरी तरह से नाकाम साबित हो रहा है। नगर में हरियाणा की शराब खुले आम कई स्थानों पर बिक्री की जा रही है। हालांकि पुलिस और आबकारी विभाग हरियाणा से होने वाली शराब तस्करी को रोकने के लिए चेकिंग अभियान भी चलाती है।

कस्बे में इस समय हरियाणा से लाई गई सस्ती शराब को लोगों को कई स्थानों पर बिक्री की जा रही है। हरियाणा से लाई गई सस्ती शराब कोसीकलां में मंहगे दामों पर खुले आम कई स्थानों पर बेची जा रही है। शराब कौन लाता है, शराब का गैंग कौन चला रहा है, पुलिस और आबकारी विभाग को इस बारे भनक तक नहीं लगती है। हालांकि पुलिस के पास मुखबिरों की फौज है, लेकिन मुखबिरों से हरियाणा की बिक्री की जाने वाली शराब के बारे में पुलिस- आबकारी विभाग को सूचना कैसे नहीं मिलती है। इसके पीछे की वजह क्या हो सकती है।

इसको लेकर कस्बे में तरह-तरह की चर्चाएं हैं। एक चर्चा है कि कोसीकलां में बिक्री की जाने वाली हरियाणा की शराब किसके इशारे पर बिक्री की जा रही है। पुलिस और आबकारी विभाग को इस बात का पता लगा कर कार्रवाई करनी होगी कि वहां शराब माफिया कौन है। अगर पुलिस छुटभईया शराब बेचने वालों को गिरफ्तार करती रही तो हरियाणा की होने वाली शराब बिक्री पर रोक नहीं लग पाएगी।

'बीमा सखी' गांव-गांव बीमा का संदेश पहुंचाएंगी, महिलाओं को मिलेगा नया रोजगार

यूनिक समय, मथुरा। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से अचार, कपड़े, मोमबत्ती और अन्य उत्पाद बनाकर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश करने वाली ग्रामीण महिलाएं अब नई भूमिका में नजर आएंगी। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) की संयुक्त पहल के तहत जिले में जल्द ही 'बीमा सखी' योजना शुरू होने जा रही है। इसके तहत चयनित महिलाएं गांव-गांव जाकर लोगों को जीवन बीमा की

जानकारी देंगी और बीमा योजनाओं का लाभ दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

योजना का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में बीमा

एनआरएलएम और एलआईसी की संयुक्त पहल, सभी ब्लॉकों में होगा चयन

प्रशिक्षण, परीक्षा और एलआईसी कोड के बाद बनेंगी अधिकृत बीमा सलाहकार

सेवाओं की पहुंच बढ़ाना है। प्रत्येक ब्लॉक से स्वयं सहायता समूहों की पात्र महिलाओं का चयन बीमा सखी के रूप में किया जाएगा। चयनित महिलाओं को एलआईसी की ओर से विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिसमें बीमा योजनाओं, ग्राहकों से संवाद और वित्तीय साक्षरता से जुड़े विषयों की जानकारी दी जाएगी।

प्रशिक्षण के बाद महिलाओं को एलआईसी की परीक्षा देनी होगी। परीक्षा सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करने पर उन्हें एलआईसी का अधिकृत एजेंट कोड प्रदान किया जाएगा।

योजना के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल और आयु सीमा 18 से 60 वर्ष निर्धारित की गई है। चयनित महिलाओं का स्वयं का बीमा भी निःशुल्क कराया जाएगा। प्रत्येक बीमा सखी को एक वर्ष में न्यूनतम एक लाख रुपये के बीमा व्यवसाय का लक्ष्य दिया जाएगा, जिसके आधार पर उन्हें प्रोत्साहन और कमीशन भी मिलेगा। एनआरएलएम के प्रबंधक अजीत तिवारी ने बताया कि प्रथम चरण में प्रत्येक ब्लॉक से 10 बीमा सखियों का चयन किया जाएगा।

एनआरएलएम के जिला मिशन प्रबंधक (डीसी) इंद्रपाल सिंह ने कहा कि भविष्य में प्रत्येक ग्राम सभा में कम से कम एक बीमा सखी नियुक्त करने का लक्ष्य है। इससे ग्रामीणों को बीमा संबंधी सेवाएं गांव में ही उपलब्ध होंगी और महिलाओं को स्थायी आय का नया माध्यम मिलेगा। उन्होंने बताया कि यह पहल महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय सुरक्षा और बीमा के प्रति जागरूकता बढ़ाने में भी मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने बताया कि नए वित्तीय वर्ष में 15 हजार ग्रामीण महिलाओं को मिशन से जोड़कर संमृद्ध बनाया जाएगा।

राधा-कृष्ण की भक्ति में डूबा ब्रज,उमड़ने लगे प्रवासी श्रद्धालु

शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर दर्शन को उमड़े श्रद्धालु।

इस माह हैं कई महत्वपूर्ण पर्व

इस माह अगस्त में कई प्रमुख धार्मिक तिथियां और व्रत हैं। नौ अगस्त को कामिका एकादशी, 11 अगस्त को सावन शिवरात्रि, 15 अगस्त को हरियाली तीज, 17 अगस्त को नाग पंचमी, 23 अगस्त को श्रावण पुत्रदा एकादशी, और 28 अगस्त को रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाएगा। ऐसे में ब्रज दर्शन के लिहाज से यह माह खास होगा।

यूनिक समय, मथुरा। सावन और भाद्रपद का पावन समय शुरू होते ही ब्रजभूमि एक बार फिर राधा-कृष्ण की भक्ति और आस्था के रंग में रंगने लगी है। हरियाली तीज से लेकर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी तक ब्रज में देश के विभिन्न राज्यों से श्रद्धालुओं का आगमन लगातार बढ़ रहा है। वृंदावन, मथुरा, गोवर्धन, बरसाना, नंदगांव और गोकुल के प्रमुख मंदिरों में दर्शन के लिए लंबी कतारें लगने लगी हैं। श्रद्धालु केवल मंदिरों में दर्शन ही नहीं, बल्कि ब्रज की संस्कृति, आध्यात्मिक वातावरण और प्राकृतिक सौंदर्य का भी भरपूर आनंद ले रहे हैं।

सावन की हरियाली से आच्छादित कुंज, यमुना का शांत तट, मंदिरों में गूंजते भजन-कीर्तन और राधा-कृष्ण की भक्ति

हरियाली तीज से जन्माष्टमी तक ब्रज में रहेगा आस्था, उत्सव और भक्ति का संगम

यमुना तट, मंदिरों की छटा और चातुर्मास की मान्यताएं श्रद्धालुओं को कर रहीं आकर्षित

से सराबोर वातावरण श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। सुबह मंगला आरती से लेकर रात की शयन आरती तक मंदिरों में भक्तों की भीड़ बनी रहती है। अनेक श्रद्धालु परिवार सहित कई दिनों तक ब्रज में प्रवास कर परिक्रमा, सत्संग, भजन और सेवा कार्यों में भाग ले रहे हैं। धार्मिक मान्यता है कि चातुर्मास के दौरान 33 करोड़ देवी-देवताओं का ब्रज में निवास होता है। इसी आस्था के कारण देश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले श्रद्धालु इस अवधि में ब्रज में रहकर पूजा-अर्चना और धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल होना शुभ मानते हैं। कई भक्त आश्रमों, धर्मशालाओं और मंदिर परिसरों में ठहरकर पूरे माह भगवान की सेवा और भक्ति में समय व्यतीत करते हैं। हरियाली तीज के साथ शुरू होने वाला यह आध्यात्मिक उत्सव अब श्रीकृष्ण जन्माष्टमी तक अपने चरम पर पहुंचेगा। जन्माष्टमी पर श्रीकृष्ण जन्मस्थान, द्वारकाधीश मंदिर, बांके बिहारी मंदिर, राधारमण, राधा बल्लभ, राधादामोदर और अन्य प्रमुख मंदिरों में विशेष सजावट, झांकियां, भजन संध्या और धार्मिक आयोजन होंगे। प्रशासन भी श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए सुरक्षा, यातायात, स्वास्थ्य और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने में जुटा है।

बिहार के जिला मधुबनी के गांव वसुआ के निवासी सत्यनारायण इन दिनों परिवार समेत मथुरा में आए हैं। उनका कहना है कि राधा-कृष्ण की कृपा, ब्रज की पावन धूल, यमुना की लहरें और यहां की जीवंत सांस्कृतिक परंपराएं बार-बार यहां आने के लिए प्रेरित करती हैं। यही कारण है कि हर वर्ष सावन और भादों के दौरान ब्रज भक्ति, प्रेम और आस्था का सबसे बड़ा केंद्र मथुरा बन जाता है।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को लेकर तैयारियां

ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर में मंगला आरती होती है अद्भुत

ठाकुर राधारमण मंदिर शाहजी मंदिर और राधादामोदर मंदिर में होता है अभिषेक

मथुरा में श्रीकृष्ण जन्म स्थान पर होंगे विशेष कार्यक्रम, गोपाल और पोशाक की खरीद शुरु

यूनिक समय, वृंदावन। वैसे तो श्रीकृष्ण जन्माष्टमी आने में अभी करीब एक माह का समय है, लेकिन बाल गोपाल स्वरुप लाला के जन्मोत्सव मनाने तो हर कोई उत्सुक नजर आ रहा है। बाजारों में लड्डू गोपाल और झूलों की खरीदारी शुरु हो गई है। वृंदावन में आने वाले श्रद्धालु अपने घरों में लाला का जन्मोत्सव मनाने के लिए, लड्डू गोपाल और सुंदर पोशाक खरीदकर ले जा रहे हैं।

मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्म स्थान पर विशेष दर्शन की तैयारी चल रही है। आधी रात से लाला का जन्म होता है। दूध दही समेत पंचामृत से अभिषेक के दर्शन होते हैं, जबकि वृंदावन स्थित ठाकुर बांके बिहारी मंदिर में आधी रात को अभिषेक के दर्शन नहीं कराए जाते हैं। अभिषेक के बाद मध्य रात्रि करीब 1.40 बजे साल में एक बार होने वाली मंगला आरती के दर्शन कराए जाते हैं। मंगला आरती के वक्त सीमित श्रद्धालु ही मंदिर में होते हैं, लेकिन मंदिर के बाहर बड़ी संख्या में श्रद्धालु जयकारे लगाते हैं। जैसे ही मंगला आरती पूरी होती है तो मंदिर के प्रवेश गेट दो और तीन खोल दिए जाएंगे, फिर तो ठाकुरजी की एक झलक पाने के लिए श्रद्धालु लालायित हो जाएंगे।

मोर स्वरुप में नाचेंगे श्रीकृष्ण

यूनिक समय, वृंदावन। हरियाली अमावस्या से लेकर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी तक एक जगह नहीं, कई जगह रासलीला का मंचन होगा। रासलीला के पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ भी दिखाई देगी। रासलीला मंचन के माध्यम से रासाचार्य अपने कलाकारों के माध्यम से राधाकृष्ण की लीलाओं का वर्णन करेंगे। हर रासलीला में मोर नृत्य की झांकी होगी। भगवान श्रीकृष्ण राधाजी और सखियों के साथ नृत्य करेंगे। पूरा रास का पंडाल ऐसा दिखाई देता है मानो भगवान श्रीकृष्ण फिर से रास रचाने के लिए आ गए हों। कई जगह श्रीमद्भागवत कथा भी होंगी।

हरियाली अमावस्या पर होंगे विशेष दर्शन

यूनिक समय, मथुरा। इस बार 12 अगस्त को हरियाली अमावस्या है। इस दिन में सभी प्रमुख मंदिरों में विशेष झांकी के दर्शन कराने की तैयारी हो रही है। अधिकांश मंदिरों में ठाकुरजी को हरी पोशाक धारण कराई जाएगी।

मंदिर के सेवायत आनंद बिहारी गोस्वामी और प्रहलाद गोस्वामी का कहना है कि मंगला आरती दर्शन का विशेष महत्व है। कहते हैं, जो करें मंगला, कभी न हो कंगला। यानि मंगला आरती के दर्शन में शामिल होने वाले श्रद्धालु कभी कंगाल नहीं होते। श्रीकृष्ण बलराम इस्कान मंदिर, प्रेम मंदिर, चंद्रोदय मंदिर में विशेष दर्शन होंगे।

उधर, ठाकुर राधारमण लाल मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर ठाकुरजी का अभिषेक सुबह 10 बजे शुरु होगा। अभिषेक के दर्शन करने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु आएंगे। अभिषेक के बाद प्रसाद स्वरुप पंचामृत पाने के लिए होड़ मचेगी। पहले उसे प्रसाद मिले। इसी क्रम में शाहजी मंदिर के सेवायत प्रशांत शाह कहते हैं कि इस मंदिर में सुबह से अभिषेक होगा, फिर आरती होगी। राधादामोदर मंदिर में भी दोपहर को अभिषेक होगा फिर आरती होगी।

रासलीला के माध्यम से नई पीढ़ी ने संजोई ब्रज की प्राचीन परंपरा

यूनिक समय, मथुरा। ब्रज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक रास परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से डैम्पियर नगर स्थित पांचजन्य प्रेक्षागृह में 'मुदरिया प्रेम' रासलीला का भव्य मंचन किया गया।

उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के अंतर्गत संचालित गीता शोध संस्थान और रासलीला अकादमी वृंदावन और अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में छात्राओं ने अपने सशक्त अभिनय, भावपूर्ण नृत्य और पारंपरिक प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

रासलीला मंचन के दौरान भावपूर्ण मुद्रा में राधा-कृष्ण के स्वरूप।

पांचजन्य प्रेक्षागृह में छात्राओं के भावपूर्ण अभिनय और नृत्य ने जीती दर्शकों की वाहवाही

गीता शोध संस्थान अमरनाथ गर्ल्स डिग्री कॉलेज के आयोजन में सजी सांस्कृतिक संध्या

कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की मुख्य कार्यपालक अधिकारी लक्ष्मी नागप्पन, कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अनिल वाजपेयी, नीता तिवारी, गीता शोध संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो. दिनेश खन्ना, अनूप शर्मा, राजेश सिंह वर्मा और महेश पांडेय सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इस अवसर पर लक्ष्मी नागप्पन का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। रासलीला के मंचन से पहले प्रो. दिनेश खन्ना ने छात्राओं को पारंपरिक रासलीला की बारीकियों का प्रशिक्षण-निर्देशन प्रदान किया।

'मुदरिया प्रेम' रासलीला श्रीराधा और श्रीकृष्ण की प्रेममयी लीलाओं पर आधारित रही। राधाजी की स्वर्ण मुदरिया खो जाने के प्रसंग को मान-मनुहार, हास्य-विनोद और प्रेम भाव के साथ जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। लगभग तीन दर्जन छात्राओं ने पारंपरिक वेशभूषा और उत्कृष्ट अभिनय से पूरी प्रस्तुति को आकर्षक बना दिया, जिसे दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ सराहा।

कार्यक्रम का संयोजन चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार ने किया, डॉ. मांडवी राठौर सह-निर्देशक रहीं। आयोजकों ने बताया कि गीता शोध संस्थान और रासलीला अकादमी ब्रज की प्राचीन रास परंपरा के संरक्षण, संवर्धन और नई पीढ़ी को उससे जोड़ने के लिए नियमित प्रशिक्षण, मंचन और सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन कर रही है। संगीत संयोजन में आकाश शर्मा, मनमोहन कौशिक, सुनील पाठक और अमरनाथ विद्या आश्रम के विद्यार्थियों ने महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

स्वामी लोकनाथ गोस्वामी का तिरोभाव महोत्सव मनाया

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर गोकुलानंद मंदिर में चैतन्य महाप्रभु के पार्षद लोकनाथ गोस्वामी महाराज का तिरोभाव महोत्सव मनाया गया। श्रद्धालुओं ने महाराज श्री के चरणों में अपनी पुष्पांजलि अर्पित की। महोत्सव का शुभारंभ राधा रमण मंदिर के सेवायत श्रीवत्स गोस्वामी महाराज के सानिध्य में हुआ। ठाकुर राधा दामोदर मंदिर के बड़े गुसाई आचार्य कनिका प्रसाद गोस्वामी ने लोकनाथ गोस्वामी के समाधि स्थल पर विशेष पूजा-अर्चना की और महाआरती उतारी। कार्यक्रम में अभिनव गोस्वामी, सोनू गोस्वामी और दामोदर चंद्र गोस्वामी आदि उपस्थित थे।

रोडवेज वर्कशॉप पर बारिश का खतरा, क्या अटकेगा निर्माण कार्य

रोडवेज वर्कशॉप में निर्माण काम के लिए लाई गई गिट्टी और चंबल।

वर्षों से जलभराव की मार झेल रहे स्टेट बैंक स्थित वर्कशॉप में शुरू हुई तैयारी

पांच करोड़ रुपये की धनराशि से होगा काम सामग्री पहुंची, बारिश बनी चिंता

यूनिक समय, मथुरा। स्टेट बैंक चौराहा स्थित रोडवेज वर्कशॉप के दिन अब बदलते नजर आ रहे हैं। वर्षों से बदहाल हालत और हर बरसात में जलभराव की समस्या झेल रहे इस वर्कशॉप के सुधार का काम शुरू होने जा रहा है। करीब पांच करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले इस प्रोजेक्ट के लिए गिट्टी, चंबल आदि निर्माण सामग्री मौके पर पहुंचनी शुरू हो गई है। हालांकि मेला से पहले यह निर्माण सामग्री तो साइड पर डाल दी थी, लेकिन कार्य शुरू नहीं किया है। ऐसा न हो कहीं बारिश फिर से इस निर्माण कार्य में कहीं रोड़ा नहीं बन जाए।

रोडवेज का यह वर्कशॉप हर साल बारिश के मौसम में पानी से भर जाता है। कई जगह इतना पानी जमा हो जाता है कि कर्मचारियों को काम करने में परेशानी होती है। बसों की मरम्मत और रखरखाव का काम भी प्रभावित होता है। लंबे समय से इस समस्या के समाधान की मांग की जा रही थी। शासन से आधुनिक वर्कशॉप निर्माण की हरी झंडी मिलने के बाद अब जब काम की तैयारी शुरू हुई है तो कर्मचारियों और यात्रियों में भी उम्मीद जगी है कि जल्द ही हालात बदलेंगे।

मिली जानकारी के अनुसार, इस परियोजना में वर्कशॉप के कुछ हिस्सों का नया निर्माण कराया जाएगा। वहीं, पुराने और जर्जर भवनों की मरम्मत कर उन्हें फिर से मजबूत बनाया जाएगा। इसके साथ ही वर्कशॉप को पहले से अधिक सुविधाजनक और बेहतर बनाया जाएगा, ताकि बसों की मरम्मत का काम बिना किसी परेशानी के हो सके। हालांकि अभी केवल निर्माण सामग्री ही पहुंची है। बड़े स्तर पर निर्माण कार्य शुरू होना बाकी है। ऐसे में अगर बारिश लगातार होती रही तो काम शुरू होने में देरी हो सकती है। कर्मचारियों का कहना है कि कार्यदाई संस्था कब इस निर्माण कार्य को शुरू कराएगा। अब सभी की निगाहे इस परियोजना पर टिकी है।

पंचायत पुरस्कार के लिए आवेदन अब 10 अगस्त तक

यूनिक समय, मथुरा। मुख्यमंत्री पंचायत पुरस्कार योजना–2026 में भागीदारी बढ़ाने के लिए शासन ने ग्राम पंचायतों को अतिरिक्त समय दिया है। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि अब 10 अगस्त कर दी गई है। पहले तय समय सीमा तक जिले की 90 ग्राम पंचायतों ने आवेदन किया था। अब तिथि बढ़ने के बाद और पंचायतों के भी योजना से जुड़ने की संभावना है। अब तक के आंकड़ों में राया और नौहझील विकासखंड सबसे आगे बने हुए है। मुख्यमंत्री पंचायत पुरस्कार योजना के लिए विकास खंड राया और नौहझील से तय तिथि तक 13- 13 आवेदन किए जा चुके हैं। वहीं, बल्देव ब्लाक से सात, चौमुहां ब्लाक से आठ, छाता से 12, फरह से 10, गोवर्धन से आठ, मांट से छह और मथुरा ब्लाक से आठ, नंदगांव से छह ग्राम पंचायतों ने इस पुरस्कार के लिए आवेदन किए हैं। डीपीआरओ धनंजय जायसवाल ने बताया कि शासन स्तर से आवेदन की अंतिम तिथि 10 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। जिन ग्राम पंचायतों ने अभी तक आवेदन नहीं किया है वे समय सीमा के भीतर पोर्टल पर आवेदन कर सकती हैं।

मथुरा से बरेली के लिए सीधी रोडवेज बस सेवा शुरू

पुराने बस अड्डे से रोज सुबह पांच बजे होगी रवाना

बरेली से कासगंज मथुरा होते हुए गोवर्धन तक पहुंचेगी बस

यूनिक समय, मथुरा। धार्मिक नगरी में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने नई सुविधा शुरू की है। शुक्रवार से मथुरा के पुराने बस अड्डे से बरेली के लिए सीधी रोडवेज बस सेवा शुरू हो गई है। यह बस प्रतिदिन सुबह पांच बजे रवाना होगी। बरेली से आने वाली यही बस मथुरा होते हुए गोवर्धन तक जाएगी, जिससे श्रद्धालुओं को गिरिराज महाराज के दर्शन के लिए अलग वाहन नहीं बदलना पड़ेगा। इस नई सेवा से बरेली, हाथरस, कासगंज और मथुरा के बीच सीधा सड़क संपर्क भी मजबूत होगा।

हर दिन श्रद्धालु ठाकुर श्रीकृष्ण और गिरिराज महाराज के दर्शन के लिए मथुरा और गोवर्धन पहुंचते हैं। बरेली और आसपास के जिलों से आने वाले यात्रियों को अब तक कई बार बस बदलनी पड़ती थी। इससे यात्रा लंबी और असुविधाजनक हो जाती थी। नई बस सेवा शुरू होने से यात्रियों को अब एक ही बस में आरामदायक और सीधा सफर मिलेगा। यह बस मथुरा से हाथरस और कासगंज होते हुए बरेली जाएगी। वहीं बरेली से चलकर मथुरा पहुंचने के बाद सीधे गोवर्धन तक जाएगी। इससे श्रद्धालु बिना किसी परेशानी के अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगे। खासकर जन्माष्टमी, गुरु पूर्णिमा, मुड़िया पूर्णिमा और अन्य धार्मिक आयोजनों के दौरान इस सेवा का सबसे अधिक लाभ मिलने की उम्मीद है।

एआरएम कमल किशोर आर्य ने बताया कि बरेली क्षेत्र से बड़ी संख्या में श्रद्धालु मथुरा और गोवर्धन दर्शन के लिए आते हैं। उनकी सुविधा को ध्यान में रखते हुए यह बस सेवा शुरू की गई है। अब यात्रियों को बीच रास्ते में बस बदलने की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे सफर आसान, सुरक्षित और सुविधाजनक होगा। उन्होंने कहा कि नई बस सेवा से धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। मथुरा और बरेली के बीच सीधी कनेक्टिविटी मिलने से आम यात्रियों को भी लाभ होगा।

गोवर्धन पहुंचीं एडीजी अनुपम कुलश्रेष्ठ गिरिराज महाराज का किया दुग्धाभिषेक

गिरिराज महाराज का दुग्धाभिषेक करतीं एडीजी अनुपम कुलश्रेष्ठ।

यूनिक समय, गोवर्धन। कानपुर जोन की अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजी) अनुपम कुलश्रेष्ठ शुक्रवार को गोवर्धन धाम पहुंचीं। उन्होंने मुकुट मुखारविंद मंदिर में भगवान श्री गिरिराज महाराज के दर्शन कर विधि–विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच दुग्धाभिषेक और पूजा–अर्चना की।

मंदिर पहुंचने पर मंदिर सेवायतों-प्रशासनिक अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। पूजा–अर्चना के दौरान एडीजी ने गिरिराज महाराज की परिक्रमा परंपरा और गोवर्धन धाम की धार्मिक महत्ता के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर उनके साथ सीओ सिटी आशना चौधरी, सीओ गोवर्धन अनिल कुमार सिंह, अंशु कौशिक, थाना प्रभारी निरीक्षक विनय कुमार मिश्रा, गणेश पहलवान सहित अन्य अधिकारी, गणमान्य लोग उपस्थित रहे। पूजा–अर्चना के बाद एडीजी ने उपस्थित लोगों से आत्मीय मुलाकात की। उनके आगमन को लेकर मंदिर परिसर में आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से ही की गई थीं।

वृंदावन में विजय कौशल के आश्रम पहुंची उमा भारती

वृंदावन पहुंचने के बाद समर्थकों के साथ भाजपा की वरिष्ठ नेत्री उमा भारती।

यूनिक समय, वृंदावन। मध्य प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री-भाजपा की वरिष्ठ नेता उमा भारती शुक्रवार को वृंदावन आई। मन की बात का जिक्र करते हुए कहा कि यात्रा के दौरान उनके मन में वृंदावन में स्थायी रूप से रहने का भाव जागा था। कहा कि यदि अवसर मिला तो वह वृंदावन में ही अपना शेष जीवन बिताना चाहेंगी और उनकी इच्छा है कि अंतिम समय के बाद उनकी समाधि भी वृंदावन में ही बने। भाजपा नेत्री ने बताया कि वह कथावाचक विजय कौशल के आश्रम में रह रही हैं। उन्होंने कहा कि आश्रम का वातावरण अत्यंत शांत और आध्यात्मिक है, जहां उन्हें आनंद और आत्मिक शांति का अनुभव हो रहा है। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी वह लगातार वृंदावन आती रहेंगी। वृंदावन प्रवास के दौरान उमा भारती दांत दर्द से परेशान नजर आई। वह उपचार के लिए रामकृष्ण सेवाश्रम चेरिटेबिल हास्पीटल पहुंचीं। डाक्टरों ने उपचार किया।

ओंकारेश्वर में आयोजित राष्ट्रीय अधिवेशन के लिए विप्र रवाना

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा का राष्ट्रीय अधिवेशन ओंकारेश्वर मध्य प्रदेश में आठ- नौ अगस्त को आयोजित होगा, जिसमें वर्तमान परिवेश में ब्राह्मणों की भूमिका पर चिंतन होगा। मथुरा –वृंदावन से अधिवेशन में भाग लेने के लिए ब्रज प्रदेश महामंत्री पं राजेश पाठक के नेतृत्व में दो दर्जन से अधिक विप्रों ने रेल मार्ग से प्रस्थान किया है। अधिवेशन में 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनावों में राजनीतिक दलों द्वारा ब्राह्मण समाज को केवल वोट बैंक समझा जा रहा है , ब्राह्मण का हित-सामाजिक चेतना पर विचार रखे जाएंगे। इस अवसर पर बलराम शर्मा, संजीव शर्मा, भोलानाथ शर्मा, गोविंद शर्मा, मनोज शर्मा, महेश गौतम, रामबाबू शर्मा, गोविंद सिंह कौशिक आदि दर्जनों विप्र पदाधिकारी मौजूद रहे।

नवागंतुक छात्र–छात्राओं को दी अनुशासन की सीख

अतिथियों के साथ नवागंतुक छात्र–छात्राएं।

केडी कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंस में नए सत्र का शुभारम्भ

ओरिएंटेशन प्रोग्राम में बताए नर्सिंग क्षेत्र में करियर के अवसर

यूनिक समय, मथुरा। केडी विश्वविद्यालय के शैक्षिक संस्थान केडी कॉलेज ऑफ नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल साइंस में शुक्रवार को नवागंतुक छात्र–छात्राओं के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के पदाधिकारियों ने नर्सिंग और पैरामेडिकल साइंस के नवागंतुक छात्र–छात्राओं को अनुशासन और लगन–मेहनत से अपना लक्ष्य हासिल करने की सीख दी। वक्ताओं ने कहा कि नर्सिंग और पैरामेडिक्स में बेहतर प्रदर्शन के लिए क्षमता, व्यवहार, देखभाल और सेवाभाव का होना बहुत जरूरी है।

ओरिएंटेशन प्रोग्राम का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के सीईओ अरुण अग्रवाल, कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी, उप–कुलपति डॉ. गौरव सिंह, कुलसचिव डॉ. विकास कुमार अग्रवाल, डीन और प्राचार्य डॉ. आर.के. अशोका, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गगनदीप सिंह, उप–प्राचार्य डॉ. गगनदीप कौर, परीक्षा नियंत्रक डॉ. अम्बरीश कुमार, के.डी. कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंस की प्राचार्य एनपी चानू आदि ने मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया।

सीईओ अरुण अग्रवाल ने कहा कि आधुनिक चिकित्सा पद्धति में प्रशिक्षित नर्सेज और योग्य पैरामेडिक्स की देश ही नहीं दुनिया भर में मांग है, लिहाजा सभी विद्यार्थी लगन और मेहनत से इस क्षेत्र में अपना करियर बना सकते हैं। उन्होंने सभी छात्र–छात्राओं और अभिभावकों को के.डी. कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंस का चुनाव करने के लिए धन्यवाद दिया। कुलपति डॉ. मनेष लाहौरी ने कहा कि नर्सेज और पैरामेडिक्स स्वास्थ्य और चिकित्सा क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हम अनुशासन में रहकर यदि लगन और मेहनत से पढ़ाई करें तो हर लक्ष्य आसानी से हासिल किया जा सकता है।

के.डी. मेडिकल कॉलेज–हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के डीन और प्राचार्य डॉ. आर.के. अशोका ने कहा कि नर्सिंग का क्षेत्र संभावनाओं से परिपूर्ण है। चिकित्सा क्षेत्र में चिकित्सक और नर्स एक गाड़ी के दो पहिए के समान है। परीक्षा नियंत्रक डॉ. अम्बरीश कुमार ने केडी विश्वविद्यालय और उससे जुड़े शैक्षिक संस्थानों के साथ ही विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. रामकिशोर अग्रवाल, प्रो–कुलाधिपति मनोज अग्रवाल के कृतित्व और व्यक्तित्व की जानकारी दी।

के.डी. कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंस की प्राचार्य एन.पी. चानू ने नवागंतुक छात्र–छात्राओं का स्वागत करते हुए कहा कि यह ओरिएंटेशन प्रोग्राम आपके जीवन के अगले स्टेज में पहला और बहुत महत्वपूर्ण कदम साबित होने वाला है। उप–प्राचार्य गौरव त्यागी ने नवागंतुक छात्र–छात्राओं को कॉलेज के नियम–कायदों और पठन–पाठन की जानकारी दी। संचालन डॉ. गर्विता सोपेरना और डॉ. आयुष नागल ने किया, आभार कुलसचिव विकास कुमार अग्रवाल ने जताया। वंदेमातरम् गीत के साथ ओरिएंटेशन प्रोग्राम का समापन हुआ।

हंसता आईना

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए, राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक-पवन गौतम
फोन नंबर-0565-3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

खौफनाक : बेटी और पत्नी ने प्रेमी के साथ की पिता की हत्या

साढ़े तीन माह बाद ससुर ने खोला सनसनी खेज राज

पुलिस शव को बरामद करने में जुटी

यूनिक समय ,मथुरा। जयसिंहपुरा इलाके के राधाकृष्ण वाटिका में रहने वाले मनोज सोनी के साढ़े तीन माह से लापता होने का राज उस समय खुला जब ससुर ने दामाद के बारे में बेटी से पूछा। बेटी की बात पर ससुर के पैरों तले की जमीन खिसक गई। उनकी हत्या की खौफनाक साजिश पत्नी और बेटी और उसके प्रेमी ने की। पुलिस को इस बारे सूचना मिलने पर पुलिस मनोज के शव को बरामद करने के प्रयास कर रही है।

मथुरा-वृंदावन रोड स्थित जयसिंहपुरा की राधाकृष्ण वाटिका में रहने वाले मनोज सोनी बीती 18/19 अप्रैल की रात से अचानक लापता हो गए। सभी लोग पहले इसे परिवारिक कलह मामला मान रहे थे। अब इस गुमशुदगी ने एक खौफनाक मोड़ ले लिया। साढ़े तीन महीने बाद इस दिल दहलाने वाली सनसनी खेज हत्या का राज खुला। मनोज सोनी की पत्नी नैना सोनी दो दिन पहले हाथरस अपने मायके पहुंची।

नैना सोनी के पिता बृजमोहन वर्मा ने जब दामाद मनोज सोनी के बारे में बेटी से पूछा तो वह घबरा गई। उसने बताया कि उससे एक बड़ी गलती हो गई है। उसने पिता को सारी बात बता दी। पिता ने तुरंत पुलिस को इस बारे में सूचना दी। गोविंदनगर पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मनोज सोनी का शव बरामद करने के लिए बीती रात अक्रूर के जंगल में शव को तलाशती रही, लेकिन पुलिस को शव नहीं मिला। इसके बाद पुलिस ने मनोज की पत्नी नैना सैनी, उसकी बेटी भक्ति सोनी और बेटी के प्रेमी विमल चौधरी को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की तो उन्होंने मनोज की हत्या करने और शव को फेंकने की बात स्वीकार की। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शव बरामद होने और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद इस मामले में कार्रवाई की जाएगी।

ससुर ने कहा- बेटी और धेवती को मिले सजा

यूनिक समय, मथुरा। मृतक मनोज सोनी के ससुर बृजमोहन वर्मा का कहना है कि इस मामले में जिस तरह का कृत्य उनकी बेटी और धेवती ने किया है, उसे कानून अधिक से अधिक सजा दे, जिससे कोई और इस तरह की घटना को अंजाम देने की हिम्मत न कर सके।

हत्या से पूर्व घर में हुआ था झगड़ा

यूनिक समय, मथुरा। पुलिस के अनुसार, मरने वाले मनोज सोनी की बेटी का जयसिंहपुरा में रहने वाले विमल चौधरी से प्रेम संबंध थे। विमल चौधरी का मनोज सोनी के घर पर लगातार आना जाना था। इसका मनोज विरोध करते थे। इस बात को लेकर 19 अप्रैल को घर में झगड़ा हुआ था। उस दिन मनोज की पत्नी नैना और उसकी बेटी और उसके प्रेमी विमल चौधरी ने उनकी हत्या कर दी और शव को अक्रूर के जंगल में गाढ़ दिया।

पत्नी ने वापस ले ली थी गुमशुदगी

यूनिक समय, मथुरा। मनोज सोनी की गुमशुदगी दर्ज कराए जाने के बाद पत्नी ने उनकी गमशुदगी की शिकायत वापस कर ली थी। पत्नी नैना सोनी ने 21 अप्रैल को पति की गुमशुदगी दर्ज कराने के बाद उसे वापस कर ली। नौ मई को मनोज के भाई रामबाबू ने थाने पहुंच कर आशंका जताते हुए शिकायत दर्ज कराई। सात जून को नैना अपने मकान का ताला लगा कर बच्चों के लेकर अचानक गायब हो गई।

सफेद वेन सवारों ने किया औरंगाबाद से छात्र को अगवा

छात्र को बेहोशी की हालत में फैंक गए

तहरीर देने के बाद भी पुलिस ने नहीं की कार्रवाई

चार दिन बाद शुक्रवार को पुलिस हरकत में आई

यूनिक समय, मथुरा। थाना सदरबाजार क्षेत्र स्थित औरंगाबाद से सफेद रंग की वेन (ईको) सवार मुंह पर कपड़ा बांधे दो बदमाशों ने स्कूल जाते एक छात्र को अगवा कर लिया। मारपीट करने और इंजेक्शन लगा कर बेहोश करने के बाद छात्र को औरंगाबाद स्थित जवाहर बाग के समीप फैंक दिया। तीन अगस्त को हुई इस वारदात की तहरीर दिए जाने के चार दिन बाद पुलिस ने शुक्रवार को जांच शुरू की है।

बताया गया कि औरंगाबाद के कोली मौहल्ले में रहने वाले सतीश का पुत्र कृष्णा(15) गांव के स्कूल में कक्षा नौ में पढ़ रहा है। तीन अगस्त को प्रातः सात बजे वह घर से स्कूल के लिए जा रहा था। रास्ते में प्राइमरी पाठशाला के समीप कृष्णा पहुंचा,इसी बीच सफेद रंग की एक वेन उसके बराबर में आकर रुकी। वेन से मुंह पर कपड़ा बांध दो लोग उतरे और उसे उठाकर वेन में डाल कर ले गए। इसके बाद वेन सवार उसे शहर की ओर सेठ बीएन पोद्दार वाले रास्ते पर ले गए।

कृष्णा का कहना है कि गाड़ी के रुकने के बाद उन्होंने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। उसने वहां पड़ी एक ईंट उठाकर एक के सिर पर मार दी। इस पर उन्होंने उसे एक इंजेक्शन लगा दिया। इसके बाद उसे कुछ याद नहीं रहा। इस दौरान अपहरणकर्ताओं ने उसे वेन से औरंगाबाद के जवाहर बाग के समीप लाकर पटक दिया और भाग गए। कृष्णा को करीब दस बजे जब कुछ होश आया तो उसने अपने आप को वहां पड़ा पाया। वह किसी तरह घर पहुंचा और अपने साथ हुई पूरी घटना पिता और परिवार के लोगों को बताई। कृष्णा के पिता सतीश ने थाना सदर बाजार जाकर बेटे के साथ हुई घटना की तहरीर दी। हालांकि पुलिस ने इस मामले में कोई मुकदमा दर्ज नहीं किया। सतीश ने बताया कि पुलिस ने इस मामले की जांच आज से शुरू की है। औरंगाबाद में आकर सीसी टीवी कैमरों की फुटेज निकलवाई है। इसके साथ ही सेठ बीएन पोद्दार वाले रोड का भी निरीक्षण किया है। औरंगाबाद में छात्र के साथ हुई अपहरण की घटना से इलाके में दहशत का माहौल है।

अकबरपुर रेलवे ट्रेक पर मिले अज्ञात युवक की शिनाख्त

युवक को घर से बुलाकर ले गया था एक युवक

परिवार के लोगों ने लगाया हत्या का आरोप

युवक की बाइक, चप्पल और कमीज भी जंगल में मिली

यूनिक समय, मथुरा। थाना छाता स्थित अकबरपुर के समीप रेलवे लाइन पर मिले युवक के शव की शिनाख्त करने के बाद परिवार के लोगों ने उसकी हत्या करने का आरोप लगाया है। युवक की बाइक और चप्पल, कमीज भी रेलवे लाइन के किनारे जंगल में मिली है।

छाता पुलिस ने अकबरपुर रेलवे फाटक के समीप रेलवे लाइन से एक अज्ञात युवक का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। शव की शिनाख्त शुक्रवार को उसके परिवारीजनों ने मोरचरी पर आकर की। परिवार के लोगों ने बताया कि अकबरपुर निवासी देवेंद्र (20) पुत्र प्रेम सिंह को घर से गांव का युवक भोला यह कहकर साढ़े तीन बजे बुलाकर ले गया था, कि उसे कोई काम है। देवेंद्र अपनी मोटरसाइकिल से उसके साथ चला गया। इसके बाद वह घर नहीं लौटा। परिवार के लोग उसे तलाश कर रहे थे। परिवार के लोगों का कहना है कि तलाश करने पर देवेंद्र की बाइक जंगल में खड़ी मिली है। उसके पास देवेंद्र की चप्पल और कमीज भी है। इसके बाद भोला का भी पता नहीं है। भोला ने उसके ट्रेन से कटने के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है।

भोला के बारे में ग्रामीणों का कहना है कि वो हिस्ट्रीशीटर बदमाश है। पुलिस को भी बाइक के बारे में बताया गया है। परिवार के लोगों का कहना है कि गांव में उनके पड़ोसी से रंजिश चल रही है। पड़ोसी कई बार धमकी भी दे चुके हैं। उनका कहना है कि इस मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पुलिस को लिखित तहरीर दी जाएगी।

जाजमपट्टी स्टेशन पर कटे युवक की हुई शिनाख्त

यूनिक समय, मथुरा। जाजमपट्टी रेलवे स्टेशन के यार्ड के समीप ट्रेन से कटे युवक की शिनाख्त हरिओम निवासी नगला झींगा के रूप में की गई है।

गुरुवार को जाजमपट्टी रेलवे स्टेशन के यार्ड के समीप रेलवे ट्रेक पर एक अज्ञात युवक का ट्रेन से कटा हुआ शव जीआरपी ने बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा था। शुक्रवार को युवक की शिनाख्त उसके परिवार के लोगों ने की है। परिवार के लोगों का कहना है कि युवक हरिओम की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। वह रात को किसी समय घर से निकल गया था। इसके बाद उसका पता नहीं लगा। जाजमपट्टी स्टेशन पर एक युवक के ट्रेन से कटने और उसके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजे जाने की जानकारी पर परिवार के लोगों ने मोरचरी पर आकर उसकी शिनाख्त हरिओम के रुप में की। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव को परिवारीजनों को सौंप दिया।

रुम दिलाने वालों की दबंगई मध्य प्रदेश के युवकों पर हमला

यूनिक समय, वृंदावन। रुम दिलाने वाले युवकों ने फिर मध्य प्रदेश से आए दो श्रद्धालुओं पर हमला बोल दिया। इन युवकों की गलती इतनी भर थी कि उन्होंने उन युवकों से किराए पर कमरा लेने से मना कर दिया। भिंड, मध्य प्रदेश निवासी शिवम और सचिन दर्शन करने वृंदावन आए थे। रास्ते में उनको रूम दिलाने वाले मिले, लेकिन उन्होंने रुम लेने से इंकार किया। वह तीन अगस्त को प्रेम मंदिर में दर्शन करके लौट रहे थे। आरोप है कि रुम किराए पर दिलाने वाले युवकों ने अपने साथियों के साथ उन दोनों को घेरकर हमला कर दिया। मामला कोतवाली तक पहुंच गया। अब पुलिस जांच कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

दुवासू में नशा मुक्ति पर व्याख्यान युवाओं को किया जागरूक

एसएसपी श्लोक कुमार को सम्मान देते कुलपति डॉ. अभिजित मित्र।

यूनिक समय, मथुरा। नशा मुक्ति भारत अभियान पखवाड़ा के तहत शुक्रवार को उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशुचिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो–अनुसंधान संस्थान (दुवासू) में मादक पदार्थों से बचाव और कानूनी जागरूकता विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम कुलपति डॉ. अभिजित मित्र के मार्गदर्शन में पंडित दीनदयाल उपाध्याय सभागार में हुआ।

मुख्य वक्ता एसएसपी श्लोक कुमार ने कहा कि नशीले पदार्थों की लत युवाओं के भविष्य, स्वास्थ्य और समाज के लिए गंभीर खतरा है। उन्होंने नारकोटिक और साइकोट्रॉपिक पदार्थों से जुड़े कानूनी प्रावधानों की जानकारी देते हुए विद्यार्थियों से नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और समाज में जागरूकता फैलाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं, शिक्षकों, अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। अंत में सभी प्रतिभागियों ने नशामुक्त-स्वस्थ समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

यमुना एक्सप्रेस वे पर जीप कंपास कार में लगी आग

कार सवार तीन लोगों ने कूद कर बचाई जान

यूनिक समय, सुरीर, मथुरा। यमुना एक्सप्रेस-वे पर गुरुवार देर रात आगरा की ओर दौड़ती एक कंपास कार में अचानक आग लग गई। कार में लगी आग को देख एक्सप्रेस वे पर हड़कंप मच गया। कार से उठते धूंए को देख कार सावरों ने कार को रोका और कूदकर जान बचाई। कुछ ही देर में कार आग के गोले में तब्दील हो गई। गनीमत रही कि थोड़ी सी भी देर हो जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था।

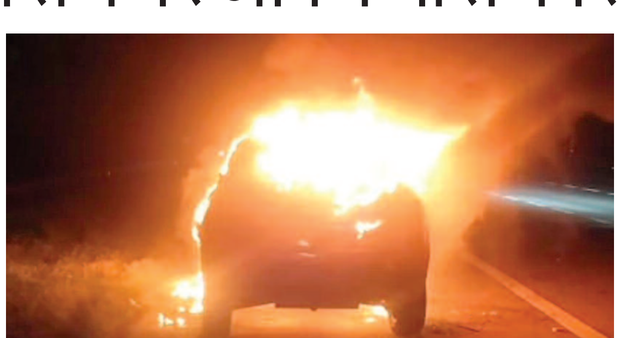
आग से जलती कंपास कार।

यमुना एक्सप्रेस वे पर नोएडा से आगरा की ओर जाने वाले रोड पर माइल स्टोन संख्या 70 के समीप दिल्ली से आगरा की ओर तेज गति से दौड़ती कम्पास कार में आग लग गई। एक्सप्रेस वे पर कार में लगने वाली आग का पता कार चला रहे चालक को लगा तो उसने तुरंत कार को साइड पर रोका। कार में सवार गुरूजीत सिंह पुत्र दर्शन सिंह, दलवीर सिंह पुत्र अरविंदर सिंह और जसवीर सिंह पुत्र राजेंद्र सिंह ने कार से कूद कर अपनी जान बचाई। उनके कार से निकलते ही कार धूं–धूं कर जलने लगी। बताया गया कि तीनों लोग आगरा के गुरुद्वारा में दर्शन के लिए जा रहे थे। कार में आग लगने की सूचना मिलने पर बाजना कट चौकी प्रभारी, हरेंद्र सिंह तोमर फोर्स के साथ पहुंचे, फायर ब्रिगेड को भी बुलाया गया। फायर ब्रिगेड के मौके पर पहुंचने तक कार पूरी तरह जल चुकी थी। पुलिस ने जली कार को क्रेन से हटवाकर मार्ग को चालू कराया। कार में आग लगने का कारण तकनीकी खराबी बताई जा रही है।

तमंचे के साथ गैंगस्टर गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहे एक अभियुक्त को देशी तमंचा-कारतूसों के साथ गिरफ्तार किया है। गैंगस्टर एक्ट में वांछित चल रहे देवसेरस निवासी कालू को नीमगांव बाईपास रोड सकरवा कट से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से देशी तमंचा-कारतूस भी बरामद हुए हैं।

600 ग्राम गांजे के साथ एक गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन पुलिस ने अभियुक्त मुनशरीफ निवासी मड़ोरा को नीम गांव बाईपास से न्यू कॉलोनी को जाने वाले रास्ते से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 600 ग्राम गांजा भी बरामद किया है। पुलिस ने उसके खिलाफ एनडीपीसी एक्ट में कार्रवाई की है।

भोले बाबा का विशाल भंडारा 10 अगस्त को

यूनिक समय, कोसीकलां। सोमवार को कोटवन स्थित श्री ब्रजभूषण मंदिर मौनी बाबा आश्रम में भव्य धार्मिक आयोजन होगा। 10 अगस्त सोमवार को भोले बाबा का विशाल भंडारा आयोजित किया जाएगा। ब्रह्मलीन आत्म मुनि की स्मृति में विशेष पूजा की जाएगी।

सुविचार

सपनों की रोशनी कभी मत बुझने दीजिए, अंधेरे भी आखिर सुबह का रास्ता बनाते हैं।

कल का पंचांग

तिथि	दशमी	04:37-01:59 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	रोहिणी	06:43-04:51 तक	माह	श्रावण
सूर्योदय		5:50 AM	चन्द्रोदय	12:33 AM
सूर्यास्त		6:59 PM	चंद्रास्त	03:14 PM
सूर्य राशि		कर्क राशि	चंद्र	मिथुन राशि
शुभ मुहूर्त		11:58AM –12:51 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:53-04:41
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		09:07 AM: 10:46 AM	वार	शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेषः कल आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग मिलेगा। निवेश सोच–समझकर करें।

वृषभः आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रुके कार्य पूरे होंगे। रिश्तों में मधुरता आएगी। नई जिम्मेदारी मिल सकती है। खानपान संतुलित रखें।

मिथुनः नौकरी में नए अवसर मिलेंगे। व्यापार में लाभ होगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक विवाद से बचें।

कर्कः भाग्य का साथ मिलेगा। महत्वपूर्ण निर्णय लाभ देंगे। विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी। खर्च नियंत्रित रखें।

सिंहः मान–सम्मान बढ़ेगा। कार्यस्थल पर प्रशंसा मिलेगी। आय के नए स्रोत बनेंगे। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

कन्याः कार्यों में सफलता मिलेगी। व्यापार विस्तार के योग हैं। परिवार के साथ सुखद समय बिताएंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

तुलाः रुका धन मिलने की संभावना है। नए संपर्क लाभ देंगे। करियर में प्रगति होगी। पारिवारिक वातावरण सुखद रहेगा। यात्रा संभव है।

वृश्चिकः मेहनत का पूरा फल मिलेगा। निवेश लाभदायक रहेगा। अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। तनाव दूर होगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। परिवार खुश रहेगा।

धनुः धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। करियर में उन्नति मिलेगी। आर्थिक लाभ होगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य बेहतर रहेगा।

मकरः व्यवसाय में नई योजनाएं सफल होंगी। नौकरी में सम्मान मिलेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें। परिवार का सहयोग मिलेगा। दिन शुभ रहेगा।

कुंभः नई शुरुआत के लिए दिन अनुकूल है। आर्थिक स्थिति सुधरेगी। रिश्तों में विश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा।

मीनः भाग्य आपके पक्ष में रहेगा। रुके हुए कार्य पूरे होंगे। परिवार में खुशियां आएंगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। निवेश से लाभ मिलेगा।

बेलपत्र के जंगल में मिला था शिवलिंग, 40 दिन में पूरी होती है हर मनोकामना

700 वर्ष पुराना शिवलिंग अद्भुत आस्था का अनोखा केंद्र

सावन में रोज होता है शिवलिंग का भव्य श्रृंगार

70 कोस परिक्रमा का सदियों पुराना है धार्मिक महत्व

यूनिक समय, मथुरा। भगवान शिव के बहुत से प्राचीन मंदिर दुनिया भर में हैं। सभी मंदिर से जुड़ी कुछ अनोखी और चमत्कारी कहानियां जुड़ी हैं। भारत में भगवान शिव का एक ऐसा ही मंदिर है वहां का शिवलिंग बेलपत्र के जंगलों में मिला था। इसके साथ मंदिर को लेकर यह भी मान्यता है कि यदि कोई भक्त इस मंदिर में लगातार 40 दिनों तक दर्शन कर लेता है तो उसकी सभी इच्छाएं पूरी हो जाती हैं।

सावन की शुरुआत के साथ ही लोगों ने महादेव को खुश करने के लिए अलग–अलग तरीके अपनाना शुरू कर दिया है। इस दौरान शिव भक्त भगवान शिव के मंदिरों में दर्शन के लिए जाते हैं। वैसे तो पूरे भारत में भगवान शिव के बहुत से प्राचीन और चमत्कारी मंदिर हैं। जिसमें से एक ऐसा मंदिर है जिसमें स्थिति शिवलिंग लगभग 700 साल पुराना बताया जाता है। जो कि लोगों को बेलपत्र के जंगलों में मिला था। आगरा का नाम लेते ही हमारे दिमाग में सबसे पहले ताजमहल की छवि बनती है। लेकिन ताजमहल के अलावा भी आगरा में बहुत से प्राचीन और प्रसिद्ध मंदिर हैं। जैसे कैलाश महादेव, राजेश्वर महादेव, पृथ्वीनाथ, मनकामेश्वर के साथ बलेश्वर मंदिर नाम का भी एक मंदिर है। यह मंदिर अलकेश्वर घाट वासन, कैलाश नगर, राजवाड़ा, उत्तर प्रदेश में ताजमहल से महज 7 किमी की दूरी पर स्थित है। बल्केश्वर महादेव मंदिर जिस जगह पर स्थित है, कहा जाता है कि वहां पहले एक बिल्व पत्र यानी बेलपत्र के पेड़ों का जंगल था। लगभग 700 साल पहले जब जंगल को काटा गया, तो यहां एक चमत्कारी शिवलिंग और मंदिर मिला। बेलपत्र के जंगल में होने की वजह से मंदिर को बिल्वकेश्वर महादेव मंदिर कहा जाता था। अब इस मंदिर को बल्केश्वर महादेव मंदिर हो गया है। आज भी यमुना इस मंदिर के समीप होकर गुजरती है। मंदिर से जुड़ी यह मान्यता है कि यहां सच्चे मन से जो भी भक्त बाबा महादेव की पूजा करता है उसकी हर मनोकामना पूरी होती है। इस मंदिर में भगवान शिव का अभिषेक, श्रृंगार चंदन व केसर से किया जाता है। जो भक्तों को प्रसाद के रूप में वितरित भी किया जाता है। श्रद्धालु लक्ष्मी ने बताया कि, बाबा बल्केश्वर महादेव की ये भी मान्यता है कि, जो भी भक्त लगातार 40 दिन बाबा के दरबार में आए, बाबा बल्केश्वर नाथ पर जल अर्पण करे, पूजा और अर्चना करे तो उसकी मनोकामना पूरी होती है। बल्केश्वर मंदिर का खास आकर्षण है शिवलिंग का अद्भुत श्रृंगार। मंदिर में भगवान शिव का अभिषेक, श्रृंगार चंदन व केसर से किया जाता है। भक्तों को इसका प्रसाद दिया जाता है। सावन के महीने के दौरान बल्केश्वर मंदिर में रोजाना शिवलिंग का श्रृंगार किया किया जाता है। इसके साथ ही मेले का आयोजन भी किया जाता है। इस में मेले में 70 कोस की परिक्रमा शुरू की जाती है। जो कि कैलाश और पृथ्वी मंदिर से होकर बल्केश्वर मंदिर में जाकर रुकती है। कहा जाता कि परिक्रमा की यह परंपरा सदियों से ऐसे ही चली आ रही है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

वास्तु के कुछ नियम जो आपकी परेशानियों को करेंगे दूर

यूनिक समय, मथुरा। सुखी और सुकून भरा जीवन जीने के लिए घर में पंचतत्वों का संतुलित होना अनिवार्य है। घर की प्रत्येक वस्तु किसी न किसी तत्व का प्रतिनिधित्व करती है। यदि घर वास्तु के अनुसार व्यवस्थित होता है तो इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का वास रहता है और घर में रहने वाले सदस्य निरोग, सुखी और धनवान बनते हैं। वास्तु सिद्धांत के अनुसार वास्तु दोषों को दूर करने अथवा कम करने में आपके घर की आंतरिक साज–सज्जा मददगार साबित हो सकती है। घर में सुख–शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण के लिए कुछ वास्तु नियमों को अपनाया जा सकता है। घर में पूजा किस दिशा में होती है इसे बहुत महत्वूपूर्ण माना गया है। यदि ये सही जगह पर न हो या पूजाघर की दिशा में अन्य कोई भारी सामान रखा हुआ है तो इससे बहुत ही नकरात्मक प्रभाव घर पर पड़ता है। मन की शांति और घर के चौमुखी विकास के लिए पूजाघर का स्थान उत्तर–पूर्व यानी ईशान कोण पर ही होना चाहिए। क्योंकि ये ही देवताओं का स्थान होता है। यह भी ध्यान रखें कि पूजाघर के ऊपर या नीचे कभी टॉयलेट, रसोईघर या सीढ़ियां न हो। सब कुछ ठीक होने के बाद भी आपको लगता है कि हमारे हाथ में धन नहीं रुकता तो आपको अपने घर के दक्षिण–पूर्व दिशा क्षेत्र से नीला रंग हटाने की ज़रूरत है। इस दिशा में हल्का नारंगी, गुलाबी रंगों का प्रयोग करें। घर के अंदर लगे हुए मकड़ी के जाले, धूल–गंदगी को समय–समय पर हटाने से घर में नकारात्मक ऊर्जा नहीं रहती। पार्किंग हेतु उत्तर–पश्चिम स्थान प्रयोग में लाना शुभ माना गया है।

ये छोटे-छोटे संकेत करते हैं बड़े धन लाभ की ओर इशारा

यूनिक समय, मथुरा। कई बार देखने में आता है कि कुछ लोग बिना ज्यादा मेहनत किए भी काफी धन कमा लेते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, धन लाभ के पहले कुछ आसान संकेत भी हमें मिलते हैं जो बताते हैं कि निकट भविष्य में हमें पैसों से जुड़े फायदे हो सकते हैं। बस जरूरत है तो उन सकेंतों को समझने की। आज हम आपको कुछ ऐसे ही संकेतों के बारे में बता रहे, जो धन आगमन के बारे में बताते हैं....

घर में काली चींटियां दिखने लगे तो.....

शकुन शास्त्र के अनुसार, घर में अचानक अधिक संख्या में काली चींटियां दिखने लगे तो समझ जाना चाहिए कि कहीं से धन लाभ के योग बन रहे हैं। ऐसी स्थिति में आपका काफी लंबे समय से अटका हुआ पैसा भी वापस मिल सकता है या किसी नए स्त्रोत से पैसा आ सकता है। बिजनेस में कोई बड़ी डील हो सकती है जो निकट भविष्य में धन लाभ का कारण बन सकती है। या फिर नौकरी में अच्छा इंक्रीमेंट भी हो सकता है।

घर में चिड़िया का घोंसला बनाना

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, घर में यदि चिड़ियां अपना घोंसला बना ले तो ये बहुत ही शुभ शकुन होता है। हालांकि ये बहुत कम देखने को मिलता है, लेकिन ऐसा हो जाए तो समझिए आपकी किस्मत चमकने वाली है। ऐसी स्थिति में एक नहीं कई माध्यमों से धन लाभ हो सकता है।

सपने में दिखें यह चीजें...

स्वप्न ज्योतिष में भी धन लाभ के संकेत बताए गए हैं। उसके अनुसार यदि किसी व्यक्ति को रात में सपने में झाड़ू, उल्लू, घड़ा, हाथी, बंसी, नेवला, शंख, छिपकली, सांप, गुलाब आदि चीजें दिखाई दें तो इसे धन लाभ का संकेत समझना चाहिए। इनके अलावा सपने में अन्य बहुत सी चीजें दिखना धन की देवी मां लक्ष्मी के प्रसन्न होने का संकेत देती हैं। उनसे भी चल–अचल संपत्ति से जुड़े फायदे होने के योग बनते हैं।

घर से निकलते समय कपिला गाय का दिखना

शकुन शास्त्र में गाय को बहुत ही शुभ माना गया है। घर से निकलते समय यदि कपिला (पीले) रंग की गाय दिख जाए तो ये बहुत ही शुभ संकेत समझना चाहिए। कपिला गाय भगवान श्रीकृष्ण की प्रिय मानी जाती है। पीले रंग की होने से इस पर गुरु का प्रभाव भी होता है। ऐसी गाय को दिखना बहुत ही शुभ फल और धन लाभ देने वाला माना गया है।

चाणक्य नीति के ये नियम करेंगे हर सपना साकार

यूनिक समय, मथुरा। आचार्य चाणक्य की कई ऐसी शिक्षाएं हैं जिन्हें अगर आज भी लोग अपने जीवन में उतार लें तो फायदे में रह सकते हैं। चाणक्य नीति में आचार्य ने यह भी बताया है कि, किन नियमों का पालन करने से व्यक्ति को जीवन में धन लाभ हो सकता है। कैसे एक व्यक्ति कम कमाई करके भी आर्थिक स्थिति को बेहतर कर सकता है। आज अपने इस लेख में हम आपको आचार्य चाणक्य की कुछ ऐसी ही शिक्षाओं के बारे में बताएंगे जिन्हें आजमाकर आप धनवान बन सकते हैं।

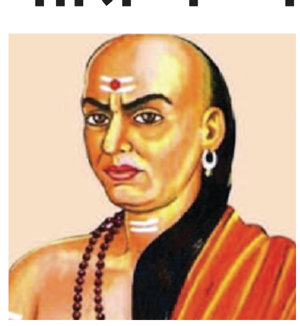

धन को जमा करने से जरूरी है यह काम

अगर आप चाहते हैं कि, आपका पैसा हमेशा बढ़ता रहे तो, आचार्य चाणक्य के अनुसार आपको पैसे का निवेश करना सीखना चाहिए। धन को तिजोरी में बंद रखने से एक न एक दिन वो खत्म हो जाता है। लेकिन अगर आप सही सलाह लेकर धन का निवेश करते रहते हैं तो उसमें दिन–ब–दिन वृद्धि होती है, और ऐसी स्थिति में कम पैसा कमाते हुए भी आप धनवान बन सकते हैं। इसलिए आचार्य चाणक्य के अनुसार धन का निवेश करना सीखें।

अपने काम में महारत हासिल करना

आचार्य चाणक्य के अनुसार, आप जो भी काम करते हैं उसकी आपको महारत हासिल करनी चाहिए। जो लोग अपने काम में दक्ष होते हैं एक न एक दिन अपार सफलता उनको प्राप्त होती है। किसी भी काम में महारत हासिल करके आप प्रतिद्वंदियों से हमेशा एक कदम आगे रहते हैं और साथ ही आपको अत्यधिक अवसर भी जीवन में प्राप्त होते हैं।

समय का करें सदुपयोग

चाणक्य नीति के अनुसार समय से बड़ा धन कोई नहीं है इसलिए समय का आपको हमेशा सही उपयोग करना चाहिए। अगर आप समय का सदुपयोग करते हैं तो पैसा भी आपके पास खिंचा चला आता है। ऐसे लोग जीवन में धन कम भी कमाएं लेकिन पैसा इतना बचा लेते हैं कि धन से इनकी तिजोरी कभी खाली नहीं होती।

सादगीपूर्ण जीवन जीएं

आचार्य चाणक्य कहते हैं कि, उन लोगों का धन कभी व्यर्थ नहीं होता जो सादगीपूर्ण जीवन जीते हैं। केवल जरूरत के अनुसार अगर आप धन खर्च करना सीख जाएं तो आपकी तिजोरी कभी पैसों से खाली नहीं होती। जीवन में जितनी सादगी रहेगी उतनी ही जरूरतें भी कम होंगी, इस स्थिति में पैसा हमेशा बढ़ता ही जाता है।

गलत तरीकों से न कमाएं धन

अगर आप धन कमाने के लिए गलत तरीकों का इस्तेमाल करते हैं तो, भले ही कुछ समय के लिए आपका पैसा बढ़ जाए लेकिन लंबे समय तक पैसा आपके पास नहीं रहता। किसी न किसी वजह से आपका पैसा खर्च हो जाता है।

इसलिए गलत तरीकों से, किसी के साथ जालसाजी करके, किसी को नुकसान पहुंचाकर आपको पैसा नहीं कमाना चाहिए। इसलिए पैसा मेहनत से कमाएं, मेहनत की कमाई हमेशा बढ़ती है।

सम्पादकीय

बिना पर्ची के बिक रहीं हैं खतरनाक दवाएं

ऑपरेशन थिएटर में विशेषज्ञों की निगरानी में इस्तेमाल होने वाली दवाएं यदि मेडिकल स्टोरों से सामान्य सामान की तरह बिकने लगें, तो यह केवल नियमों की अनदेखी नहीं, बल्कि जनस्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरे का संकेत है। हाल की एक खोजी रिपोर्ट में सामने आया कि ऐसी संवेदनशील दवाएं कई स्थानों पर बिना वैध चिकित्सकीय प्रिस्क्रिप्शन के उपलब्ध हो रही हैं। यह स्थिति केवल एक राज्य तक सीमित नहीं मानी जा सकती, बल्कि पूरे देश के दवा वितरण तंत्र पर गंभीर सवाल खड़े करती है। उत्तर प्रदेश जैसे विशाल राज्य में, जहां सरकारी और निजी अस्पतालों का बड़ा नेटवर्क है, वहां भी इस मुद्दे को हल्के में नहीं लिया जा सकता। प्रदेश में हर दिन लाखों लोग उपचार के लिए अस्पतालों और मेडिकल स्टोरों पर निर्भर रहते हैं। यदि जीवनरक्षक या केवल अस्पताल उपयोग के लिए निर्धारित दवाएं नियमों को दरकिनार कर खुले बाजार में मिलने लगें, तो उनके दुरुपयोग, दुर्घटनाओं और अपराधों की आशंका बढ़ जाती है। इसलिए यह समय रहते सतर्क होने का विषय है। दवाओं की बिक्री को लेकर देश में स्पष्ट कानूनी व्यवस्था मौजूद है। कुछ श्रेणी की औषधियां केवल पंजीकृत चिकित्सक के वैध प्रिस्क्रिप्शन पर ही बेची जा सकती हैं। इन नियमों का उद्देश्य मरीजों को अनावश्यक जोखिम से बचाना है। यदि कोई मेडिकल स्टोर बिना आवश्यक सत्यापन के ऐसी दवाएं उपलब्ध कराता है, तो वह केवल कानून का उल्लंघन नहीं करता, बल्कि समाज की सुरक्षा से भी खिलवाड़ करता है। उत्तर प्रदेश सरकार समय-समय पर नकली दवाओं, अवैध मेडिकल स्टोरों और बिना लाइसेंस दवा बिक्री के खिलाफ अभियान चलाती रही है। फिर भी आवश्यकता इस बात की है कि निरीक्षण केवल कागजों तक सीमित न रहे। मेडिकल कॉलेजों, जिला अस्पतालों और बड़े निजी अस्पतालों के आसपास स्थित मेडिकल स्टोरों की नियमित और अचानक जांच होनी चाहिए। साथ ही इलेक्ट्रॉनिक प्रिस्क्रिप्शन और दवा बिक्री का डिजिटल रिकॉर्ड भी अनिवार्य बनाया जाए, ताकि हर संवेदनशील दवा की खरीद-बिक्री पर निगरानी रखी जा सके। इसके साथ ही अस्पतालों की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। यदि किसी दवा की सरकारी आपूर्ति में गुणवत्ता या उपलब्धता की समस्या है, तो उसका समाधान प्रशासनिक स्तर पर होना चाहिए। मरीजों या उनके परिजनों को ऐसी दवाएं बाहर से लाने के लिए विवश करना कई प्रकार के जोखिम पैदा कर सकता है। अस्पतालों में आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना स्वास्थ्य व्यवस्था की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इस पूरे मामले का दूसरा पक्ष सामाजिक जागरूकता भी है। आम नागरिकों को यह समझना होगा कि किसी भी शक्तिशाली दवा का उपयोग केवल विशेषज्ञ चिकित्सकीय सलाह पर ही होना चाहिए। बिना जानकारी या बिना चिकित्सकीय निगरानी के दवा खरीदना और उसका प्रयोग करना जानलेवा साबित हो सकता है।

पवन गौतम
संपादक

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

नजरिया

लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब सत्ता सुने, विपक्ष संयम रखे

बोध प्रकाश सगुणी

लोकतंत्र की सबसे बड़ी खूबी यह है कि यहां सत्ता और विपक्ष दोनों की अपनी-अपनी भूमिका होती है। सत्ता शासन चलाती है, जबकि विपक्ष उस शासन की नीतियों पर सवाल उठाकर उसे जवाबदेह बनाता है। यदि सत्ता निरंकुश हो जाए या विपक्ष केवल विरोध के लिए विरोध करने लगे, तो लोकतंत्र का संतुलन बिगड़ जाता है। इसलिए किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि सत्ता आलोचना को कितनी गंभीरता से सुनती है और विपक्ष अपने विरोध को कितनी मर्यादा के साथ प्रस्तुत करता है।

इन दिनों देश में विभिन्न मुद्दों को लेकर आंदोलन, प्रदर्शन और राजनीतिक टकराव लगातार देखने को मिल रहे हैं। कभी शिक्षा से जुड़े प्रश्नों पर छात्र सड़क पर उतरते हैं, कभी किसान अपनी मांगों को लेकर आंदोलन करते हैं और कभी विपक्ष सरकार की नीतियों का विरोध करता है। लोकतंत्र में यह सब असामान्य नहीं है। असहमति लोकतंत्र की आत्मा है और संवाद उसकी सबसे बड़ी शक्ति। यदि नागरिक अपनी बात कहने से डरने लगें या विरोध को अपराध समझ लिया जाए, तो लोकतंत्र कमजोर होने लगता है।

इतिहास गवाह है कि किसी भी समाज में प्रगति केवल प्रशंसा से नहीं, बल्कि रचनात्मक आलोचना से होती है। सरकार चाहे किसी भी दल की हो, उसके हर निर्णय को अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता। योजनाओं और नीतियों की समीक्षा, कमियों की पहचान और सुधार के सुझाव लोकतांत्रिक प्र क्रया का आवश्यक हिस्सा हैं। इसलिए सत्ता को आलोचना को शत्रुता नहीं, बल्कि सुधार का अवसर मानना चाहिए।

दूसरी ओर, विरोध करने वालों की भी उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी होती है। विरोध का उद्देश्य केवल सरकार को घेरना नहीं, बल्कि जनहित के मुद्दों को प्रभावी ढंग से सामने लाना होना चाहिए। यदि आंदोलन हिंसा, तोड़फोड़, सार्वजनिक संपत्ति के नुकसान या व्यक्तिगत आरोप-प्रत्यारोप में बदल जाए, तो उसका नैतिक आधार कमजोर पड़ जाता है।

लोकतंत्र में आवाज बुलंद करने का अधिकार है, लेकिन उसके साथ संयम और जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है। भारतीय संस्कृति और इतिहास हमें संतुलित विरोध की प्रेरणा देते हैं। महाभारत जैसे महाकाव्य में भी सत्ता के भीतर असहमति के अनेक उदाहरण मिलते हैं। विदुर

ने धृतराष्ट्र को बार-बार न्याय का मार्ग अपनाने की सलाह दी। संजय ने भी सच्चाई कहने से परहेज नहीं किया। वहीं पांडवों के बीच भी मतभेद हुए, लेकिन उनका उद्देश्य व्यक्तिगत स्वार्थ नहीं, बल्कि धर्म और न्याय की स्थापना था। इन प्रसंगों से यह स्पष्ट होता है कि सत्ता से असहमति कोई नई बात नहीं है, बल्कि भारतीय चिंतन का हिस्सा रही है। आज के दौर में सोशल मीडिया ने विरोध की संस्कृति को नई दिशा दी है। एक ओर इससे आम नागरिक की आवाज मजबूत हुई है, वहीं दूसरी ओर अपुष्ट सूचनाएं, भ्रामक प्रचार और कटु भाषा भी तेजी से फैलने लगी है। कई बार तथ्य पीछे छूट जाते हैं और भावनात्मक बहसें आगे निकल जाती हैं। इससे समाज में ध्रुवीकरण बढ़ता है और सार्थक संवाद की संभावना कम हो जाती है। इसलिए राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और नागरिकों सभी को डिजिटल मंचों पर भी जिम्मेदार व्यवहार अपनाना होगा। लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका केवल आलोचना तक सीमित नहीं होती। एक मजबूत विपक्ष वैकल्पिक नीतियां भी प्रस्तुत करता है। यदि सरकार किसी योजना में कमी कर रही है, तो विपक्ष को केवल विरोध करने के बजाय बेहतर समाधान भी देना चाहिए। यही स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान है। केवल नारे और आरोप जनता की समस्याओं का समाधान नहीं कर सकते।

इसी प्रकार सत्ता को भी यह समझना होगा कि हर विरोध राजनीतिक नहीं होता। कई बार नागरिक अपनी वास्तविक समस्याओं, स्थानीय मुद्दों या प्रशासनिक कमियों के कारण आवाज उठाते हैं। यदि सरकार ऐसे विरोध को संवेदनशीलता से सुने और समय पर समाधान निकाले, तो आंदोलन स्वतः समाप्त हो सकते हैं। संवाद हमेशा टकराव से अधिक प्रभावी होता है। उत्तर प्रदेश सहित देश के कई राज्यों में समय-समय पर विभिन्न सामाजिक और प्रशासनिक मुद्दों को लेकर आंदोलन होते रहे हैं। ऐसे अवसरों पर सरकार और आंदोलनकारियों दोनों की परिपक्वता की परीक्षा होती है। प्रशासन को कानून-व्यवस्था बनाए रखते हुए शांतिपूर्ण विरोध का सम्मान करना चाहिए, वहीं प्रदर्शनकारियों को भी संविधान और कानून की सीमाओं का पालन करना चाहिए। लोकतंत्र में अधिकार और कर्तव्य दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।

आज राजनीति में भाषा का स्तर भी चिंता का विषय बनता जा रहा है। व्यक्तिगत टिप्पणियां, कटाक्ष और अमर्यादित बयान लोकतांत्रिक संवाद को कमजोर करते हैं। राजनीतिक मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन व्यक्तिगत शत्रुता लोकतंत्र के हित में नहीं है। संसद, विधानसभा और सार्वजनिक मंच विचारों के आदान-प्रदान के लिए हैं, न कि कटुता फैलाने के लिए। राजनीतिक दलों को इस दिशा में आत्ममंथन करना होगा।

लोकतंत्र की मजबूती केवल चुनावों से नहीं मापी जाती, बल्कि इस बात से तय होती है कि सत्ता आलोचना को कितना स्थान देती है और विपक्ष जनहित को कितना महत्व देता है। जब सरकार जनता की बात सुनती है, निर्णयों में पारदर्शिता रखती है और विपक्ष रचनात्मक सुझाव देता है, तभी लोकतांत्रिक संस्थाएं मजबूत होती हैं। इसके विपरीत यदि सत्ता अहंकार में और विपक्ष अराजकता में डूब जाए, तो सबसे अधिक नुकसान आम नागरिक को होता है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। इसकी सबसे बड़ी ताकत विविधता, विचारों की स्वतंत्रता और संवाद की परंपरा है। इस परंपरा को बनाए रखना सभी राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और नागरिकों की साझा जिम्मेदारी है। लोकतंत्र में असहमति को सम्मान मिलना चाहिए, लेकिन असहमति की अभिव्यक्ति भी गरिमा और संवैधानिक मर्यादाओं के भीतर होनी चाहिए। आज आवश्यकता इस बात की है कि सत्ता आलोचना से घबराए नहीं और विपक्ष विरोध की गरिमा बनाए रखे।

जब दोनों पक्ष लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान करेंगे, तभी जनता का विश्वास मजबूत होगा और राष्ट्र विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ेगा। स्वस्थ लोकतंत्र का अर्थ केवल सरकार बदलना नहीं, बल्कि संवाद, सहिष्णुता और उत्तरदायित्व की उस संस्कृति को मजबूत करना है, जिसमें मतभेद होते हुए भी राष्ट्रहित सर्वोपरि बना रहे। यही लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति है और यही भारत की सबसे बड़ी पहचान भी।

विचार विंडो

राष्ट्रमंडल की सफलता से ओलंपिक सपनों को नई उड़ान

डॉ. आशीष वशिष्ठ

भारत ने ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल 2026 में जिस तरह का प्रदर्शन किया है, उसने यह स्पष्ट कर दिया है कि देश का खेल भविष्य पहले से कहीं अधिक मजबूत और आशाजनक दिखाई दे रहा है। इन खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने 13 स्वर्ण, 17 रजत और 9 कांस्य सहित कुल 39 पदक जीतकर न केवल अपनी क्षमता का परिचय दिया, बल्कि यह भी साबित किया कि भारतीय खेल व्यवस्था अब परिणाम देने लगी है। पदक तालिका में चौथा स्थान हासिल करना केवल एक उपलब्धि नहीं, बल्कि उस निरंतर विकास यात्रा का प्रमाण है, जो पिछले एक दशक में भारतीय खेलों ने तय की है।

पहली नजर में यदि इस प्रदर्शन की तुलना बर्मिंघम 2022 के 61 पदकों से की जाए तो यह संख्या कम प्रतीत हो सकती है, लेकिन वास्तविक तस्वीर इससे अलग है। ग्लासगो में केवल 10 खेलों का आयोजन हुआ, जबकि बर्मिंघम में 19 खेल शामिल थे। इस बार बैडमिंटन, कुश्ती, शूटिंग, हॉकी, टेबल टेनिस और क्रिकेट जैसे भारत के मजबूत खेल कार्यक्रम का हिस्सा ही नहीं थे। इन खेलों से भारत ने पिछली बार लगभग 30 पदक जीते थे। इसके बावजूद भारतीय दल ने सीमित अवसरों में बेहतर प्रदर्शन कर अपनी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता साबित की।

इस सफलता का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह रहा कि भारतीय खिलाड़ियों ने पूर्वानुमानों को पूरी तरह गलत साबित कर दिया। खेल विशेषज्ञों और भारतीय ओलंपिक संघ की आंतरिक रिपोर्ट में भारत को छह स्वर्ण सहित लगभग 31 पदक मिलने की संभावना जताई गई थी, लेकिन खिलाड़ियों ने अनुमान से दोगुने से अधिक स्वर्ण जीतकर सभी को चौंका दिया। यह केवल प्रतिभा का परिणाम नहीं, बल्कि बेहतर प्रशिक्षण, वैज्ञानिक तैयारी और खिलाड़ियों के बढ़ते आत्मविश्वास का संकेत भी है।

ग्लासगो में भारत का सबसे सफल खेल मुक्केबाजी रहा। भारतीय मुक्केबाजों ने सात स्वर्ण और तीन रजत सहित दस पदक जीतकर विश्व स्तर पर अपनी ताकत का परिचय दिया। छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले खिलाड़ियों ने यह साबित किया कि यदि सही प्रशिक्षण और अवसर मिले तो प्रतिभा किसी भी पृष्ठभूमि की मोहताज नहीं होती। पदक वितरण समारोह में बार-बार भारतीय राष्ट्रगान का गूंजना हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण था।

जूडो में पहली बार स्वर्ण पदक जीतना भी भारतीय खेल इतिहास की बड़ी उपलब्धि है। अस्मिता डे और हर्ष सिंह की सफलता ने इस खेल में नई उम्मीद जगाई है। वहीं वेटलिफ्टिंग

में मीराबाई चानू ने लगातार तीसरी बार स्वर्ण जीतकर अपनी महानता को फिर सिद्ध किया। हालांकि इस स्पर्धा में कुछ खिलाड़ियों का प्रदर्शन उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सका और डोपिंग जैसे मामलों ने निराश भी किया। इससे यह स्पष्ट होता है कि उपलब्धियों के साथ अनुशासन और खेल नैतिकता को भी समान महत्व देना होगा।

एथलेटिक्स में भारत ने कई पदक जीते, लेकिन स्वर्ण पदक का इंतजार जारी रहा। नीरज चोपड़ा, गुलवीर सिंह, तेजस्विन शंकर और अन्य खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया, फिर भी यह परिणाम बताता है कि विश्वस्तरीय प्रतिस्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए अभी और मेहनत की आवश्यकता है। यही राष्ट्रमंडल खेलों की सबसे बड़ी सीख भी है कि सफलता का जश्न मनाते हुए कमियों को भी स्वीकार किया जाए। भारतीय खेलों में यह बदलाव अचानक नहीं आया है। पिछले कुछ वर्षों में खेल अवसंरचना, प्रशिक्षण सुविधाओं और खिलाड़ियों को मिलने वाले आर्थिक सहयोग में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। 'खेलो इंडिया' और 'टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स)' जैसी योजनाओं ने जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को पहचानने और उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हजारों खिलाड़ियों को आधुनिक प्रशिक्षण, पोषण, खेल विज्ञान और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई गई है। देशभर में स्थापित खेलो इंडिया केंद्र और उत्कृष्टता केंद्र भविष्य के खिलाड़ियों को तैयार करने का मजबूत आधार बन चुके हैं। आज भारत के गांवों और छोटे कस्बों से निकलने वाले खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय मंच पर तिरंगा लहरा रहे हैं। यह बदलाव केवल सुविधाओं का परिणाम नहीं, बल्कि खेलों के प्रति समाज की बदलती सोच का भी संकेत है। अब खेल केवल शौक नहीं, बल्कि सम्मानजनक करियर और राष्ट्रीय गौरव का माध्यम बनते जा रहे हैं।

हालांकि यह भी ध्यान रखना होगा कि राष्ट्रमंडल खेलों की तुलना एशियाई खेलों या ओलंपिक से नहीं की जा सकती। इन प्रतियोगिताओं में प्रतिस्पर्धा कहीं अधिक कठिन होती है और पदक जीतना चुनौतीपूर्ण होता है। इसलिए ग्लासगो की सफलता को अंतिम उपलब्धि नहीं, बल्कि आगे की तैयारी का आधार माना जाना चाहिए। भारतीय खिलाड़ियों को अपनी कमजोरियों पर काम करते हुए तकनीकी दक्षता, मानसिक मजबूती और निरंतर प्रदर्शन पर ध्यान देना होगा।

अब देश की निगाहें सितंबर में होने वाले एशियाई खेलों पर हैं, जहां भारत हांगझोऊ में बनाए गए 107 पदकों के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ने का लक्ष्य लेकर उतरेगा। यदि खिलाड़ियों का वर्तमान आत्मविश्वास, सरकार की खेल नीतियां और खेल महासंघों का समन्वय इसी तरह जारी रहा तो भारत केवल एशियाई खेलों में ही नहीं, बल्कि भविष्य के ओलंपिक में भी नई ऊंचाइयों को छू सकता है।

ग्लासगो की उपलब्धियां यह संदेश देती हैं कि भारतीय खेलों का नया दौर शुरू हो चुका है। अब आवश्यकता इस बात की है कि इस सफलता को निरंतरता में बदला जाए। जब विदेशी धरती पर तिरंगा लहराता है और राष्ट्रगान गूंजता है, तब वह केवल किसी खिलाड़ी की व्यक्तिगत जीत नहीं होती, बल्कि पूरे भारत की सामूहिक उपलब्धि बन जाती है। यही विश्वास देश के उज्ज्वल खेल भविष्य की सबसे बड़ी ताकत है।

रेड बॉल क्रिकेट में खुद को साबित करने का सुनहरा मौका

वैभव सूर्यवंशी ने राजस्थान रॉयल्स के साथ शुरू की खास तैयारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। टी20 क्रिकेट में अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से पहचान बना चुके युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी अब बिल्कुल नए अंदाज में नजर आने वाले हैं।

ओवरों में आक्रामक बल्लेबाजी से सुर्खियां बटोरने वाले वैभव ने अब अपना पूरा ध्यान रेड बॉल क्रिकेट पर केंद्रित कर दिया है। 23 अगस्त से शुरू होने वाली प्रतिष्ठित दलीप ट्रॉफी से पहले वह आईपीएल फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स के हाई परफॉर्मेंस सेंटर में कड़ी मेहनत कर रहे हैं। इस टूर्नामेंट में वह ईस्ट जोन के उपकप्तान की भूमिका निभाएंगे और उनके सामने टेस्ट क्रिकेट में अपनी क्षमता साबित करने की बड़ी चुनौती होगी।

हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाले वैभव शुरुआती सीरीज में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर सके थे, लेकिन जिम्बाब्वे दौरे पर उन्होंने अपनी प्रतिभा की झलक दिखाई।

अब वह अपने खेल में तकनीकी सुधार और लंबी पारियां खेलने की कला पर काम कर रहे हैं। नागपुर स्थित राजस्थान रॉयल्स के हाई परफॉर्मेंस सेंटर में भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच और मौजूदा राजस्थान रॉयल्स के सहायक कोच विक्रम राठौर की देखरेख में वैभव बल्लेबाजी की बारीकियां सीख रहे हैं। माना जा रहा है कि यह तैयारी उनके करियर को नई दिशा दे सकती है।

दलीप ट्रॉफी में ईशान किशन की कप्तानी वाली ईस्ट जोन टीम के उपकप्तान बनाए जाने से भी वैभव का आत्मविश्वास बढ़ा है। अब तक उन्होंने टी20 और सीमित ओवरों के क्रिकेट में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से प्रभावित किया है, लेकिन रेड बॉल क्रिकेट में सफलता के लिए धैर्य, संयम और लंबी पारी खेलने की क्षमता सबसे बड़ी कसौटी मानी जाती है। ऐसे में सभी की नजर इस बात पर रहेगी कि क्या वैभव अपनी स्वाभाविक आक्रामक शैली के साथ परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाल पाते हैं।

अगर वैभव सूर्यवंशी को भविष्य में भारतीय टेस्ट टीम का हिस्सा बनना है तो दलीप ट्रॉफी उनके लिए सबसे बड़ा मंच साबित हो सकती है।

इस टूर्नामेंट में उनका प्रदर्शन न केवल चयनकर्ताओं की नजर में उन्हें मजबूत दावेदार बना सकता है, बल्कि यह भी तय करेगा कि टी20 के इस युवा सितारे का टेस्ट क्रिकेट का सफर कितना सफल होने वाला है।

ऑपरेशन सफेद सागर में दिखी वायुसेना की असली वीरगाथा

यूनिक समय, नई दिल्ली। 1999 के कारगिल युद्ध पर आधारित नेटफ्लिक्स की नई वेब सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' भारतीय वायुसेना के उस साहसिक मिशन को पर्दे पर उतारती है, जिसके बारे में कम चर्चा होती है। निर्देशक ओनी सेन ने इस मिलिट्री ड्रामा को देशभक्ति के शोर से दूर रखते हुए सच्ची घटनाओं और सैनिकों के जज्बे के साथ पेश किया है। यही वजह है कि यह सीरीज दर्शकों पर गहरा प्रभाव छोड़ती है। सीरीज की कहानी भारतीय वायुसेना के 'ऑपरेशन सफेद सागर' पर केंद्रित है, जिसमें कारगिल युद्ध के दौरान 16 से 18 हजार फीट की ऊंचाई पर दुश्मन के ठिकानों पर बेहद कठिन हवाई मिशन चलाए गए। कहानी सिर्फ युद्ध नहीं दिखाती, बल्कि उन पायलटों और उनके परिवारों के संघर्ष, जिम्मेदारी और भावनात्मक सफर को भी सामने लाती है। जिमी शेरगिल ने विंग कमांडर बी.एस. धनोआ के किरदार में शानदार अभिनय किया है। वहीं सिद्धार्थ स्क्वाड्रन लीडर अजय आहूजा की भूमिका में प्रभावशाली नजर आते हैं। अभय वर्मा, मिहिर आहूजा, तारुक रैना और अर्नव भसीन ने युवा फाइटर पायलटों के रूप में कहानी को मजबूती दी है। दीया मिर्जा और आदिल हुसैन सीमित स्क्रीन टाइम में भी अपनी छाप छोड़ते हैं। सीरीज की सबसे बड़ी ताकत इसके एरियल कॉम्बैट सीक्वेंस हैं। फाइटर जेट्स के दृश्य, दमदार वीएफएक्स और वास्तविक सैन्य माहौल इसे बेहद रोमांचक बनाते हैं। निर्देशक ने तकनीकी बारीकियों के साथ भावनात्मक पक्ष को भी संतुलित रखा है, जिससे कहानी विश्वसनीय लगती है। हालांकि कुछ एपिसोड में

जिमी शेरगिल और सिद्धार्थ की दमदार अदाकारी ने जीता दिल

रफ्तार थोड़ी धीमी पड़ती है और कुछ भावनात्मक दृश्य जरूरत से ज्यादा लंबे महसूस होते हैं। कुछ सहायक किरदारों पर और काम किया जा सकता था, लेकिन ये कमियां पूरी सीरीज के प्रभाव को कम नहीं करतीं।

कुल मिलाकर 'ऑपरेशन सफेद सागर' भारतीय वायुसेना के अदम्य साहस, बलिदान और कर्तव्यनिष्ठा को समर्पित एक प्रभावशाली वेब सीरीज है। बेहतरीन अभिनय, मजबूत निर्देशन और रोमांचक युद्ध दृश्यों के कारण यह देशभक्ति और सैन्य इतिहास में रुचि रखने वाले दर्शकों के लिए जरूर देखने लायक है। 3.5/5 स्टार की यह सीरीज मनोरंजन के साथ गर्व का एहसास भी कराती है।

29 साल से कायम जयसूर्या का तिहरा शतक

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच 15 अगस्त से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले दोनों देशों के बीच बने एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड की चर्चा फिर तेज हो गई है। करीब 29 साल पहले श्रीलंका के महान बल्लेबाज सनथ जयसूर्या ने भारतीय टीम के खिलाफ 340 रन की ऐतिहासिक पारी खेलकर ऐसा कीर्तिमान बनाया था, जो आज तक कोई बल्लेबाज नहीं तोड़ सका है। भारत की ओर से वीरेंद्र सहवाग इस रिकॉर्ड के सबसे करीब पहुंचे थे, लेकिन वह भी महज सात रन से तिहरे शतक से चूक गए थे। ऐसे में क्रिकेट प्रेमियों की नजरें अब इस बात पर टिकी हैं कि क्या शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय बल्लेबाज इस बार इतिहास बदल पाएंगे।

साल 1997 में सचिन तेंदुलकर की कप्तानी में भारतीय टीम श्रीलंका दौरे पर गई थी। भारत ने पहली पारी में 537 रन बनाए, लेकिन जवाब में सनथ जयसूर्या ने 578 गेंदों पर 340 रन की मैराथन पारी खेलकर भारतीय गेंदबाजों की जमकर परीक्षा ली। उनकी पारी में 36 चौके और दो छक्के शामिल थे। रोशन महानामा ने भी 225 रन बनाए और श्रीलंका ने छह विकेट पर 952 रन बनाकर पारी घोषित की। यह मुकाबला ड्रॉ रहा, लेकिन जयसूर्या का तिहरा शतक आज भी भारत-श्रीलंका टेस्ट इतिहास का इकलौता ट्रिपल सेंचुरी रिकॉर्ड बना हुआ है।

भारतीय बल्लेबाजों में वीरेंद्र सहवाग इस उपलब्धि के सबसे करीब पहुंचे। वर्ष 2009 में मुंबई टेस्ट में उन्होंने महज 254 गेंदों पर 293 रन की तूफानी पारी खेली। इस दौरान

15 अगस्त से शुरू हो रही भारत-श्रीलंका टेस्ट सीरीज

उनके बल्ले से 40 चौके और सात छक्के निकले, लेकिन वह सिर्फ सात रन से तिहरे शतक से चूक गए। भारत ने उस मुकाबले में 726 रन बनाकर पारी घोषित की और श्रीलंका को पारी और 24 रन से हराकर शानदार जीत दर्ज की।

अब एक बार फिर दोनों टीमें आमने-सामने हैं। शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल जैसे बल्लेबाज शानदार लय में हैं। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या 29 साल पुराना जयसूर्या का रिकॉर्ड आखिरकार टूटेगा या फिर एक और सीरीज के बाद भी यह ऐतिहासिक उपलब्धि अटूट बनी रहेगी।

पंकज त्रिपाठी की फिल्म ओह माय डॉग, जीत ले जाएगा आपका दिल

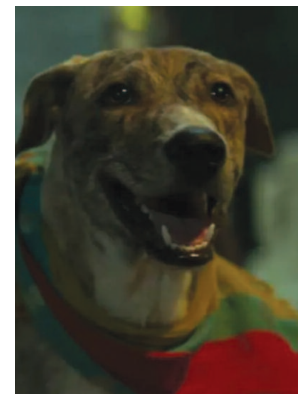

यूनिक समय, नई दिल्ली। निर्देशक अमित राय की फिल्म 'ओह माय डॉग' सिर्फ एक पालतू कुत्ते की कहानी नहीं, बल्कि इंसानियत, वफादारी और सामाजिक संवेदनाओं का भावुक सफर है। फिल्म में पंकज त्रिपाठी जैसे सशक्त कलाकार मौजूद हैं, लेकिन असली महफिल चार पैरों वाला हीरो 'ऑस्कर' लूट लेता है। यह फिल्म इंसान और बेजुबान के रिश्ते को बेहद संवेदनशील अंदाज में पर्दे पर उतारती है। कहानी कारगिल या युद्ध नहीं, बल्कि दो कुत्तों और उनके मालिकों की समानांतर यात्रा पर आधारित है। एक ओर असम में मोमो अपने परिवार से बिछड़ जाता है, तो दूसरी ओर बिहार में ऑस्कर अपने लापता मालिक प्रिंस की तलाश में निकल पड़ता है। इस सफर के दौरान फिल्म बाल श्रम, अंग तस्करी, पशु क्रूरता और सामाजिक असमानता जैसे गंभीर मुद्दों को भी छूती है। फिल्म की सबसे बड़ी ताकत ऑस्कर का अभिनय है। ब्रूनो नाम के डॉग ने अपने हावभाव, एक्शन और भावनात्मक दृश्यों से ऐसा प्रभाव छोड़ा है कि बड़े कलाकार भी पीछे छूट जाते हैं। पंकज त्रिपाठी सीमित

इंसान और बेजुबान के रिश्ते को भावुक अंदाज में दिखाती फिल्म

भूमिका में भी प्रभावशाली हैं, जबकि माही राय, राजेश कुमार और अन्य कलाकारों ने भी अपने किरदारों के साथ न्याय किया है।

निर्देशक अमित राय ने मनोरंजन के साथ मजबूत सामाजिक संदेश देने की कोशिश की है। सिनेमैटोग्राफी और डॉग्स पॉइंट ऑफ व्यू से फिल्माए गए दृश्य दर्शकों को कहानी से जोड़े रखते हैं। हालांकि, लगभग ढाई घंटे का रनटाइम और कुछ खिंचे हुए दृश्य फिल्म की रफ्तार को धीमा करते हैं।

कुल मिलाकर 'ओह माय डॉग' एक ऐसी पारिवारिक फिल्म है, जो हंसाती भी है, भावुक भी करती है और बेजुबान जानवरों के प्रति संवेदनशील होने का संदेश भी देती है। तकनीकी कमियों के बावजूद ऑस्कर की मासूमियत, दमदार कहानी और भावनात्मक प्रस्तुति इसे एक बार जरूर देखने लायक बनाती है। फिल्म को 3/5 स्टार दिए गए हैं।

करण जौहर के इशारों पर चलेगा भरोसे और धोखे का खेल

यूनिक समय, नई दिल्ली। रियलिटी शो पसंद करने वाले दर्शकों के लिए बड़ी खुशखबरी है। प्राइम वीडियो ने अपने चर्चित अनस्क्रिप्टेड शो 'द ट्रेटर्स' सीजन 2 का धमाकेदार ट्रेलर जारी कर दिया है। पहले सीजन की सफलता के बाद अब यह शो पहले से ज्यादा रोमांच, सस्पेंस और माइंड गेम्स के साथ वापसी कर रहा है। इस बार भी बॉलीवुड के मशहूर फिल्म निर्माता करण जौहर शो के होस्ट और मास्टरमाइंड की भूमिका में नजर आएंगे। जैसलमेर के भव्य सूर्यगढ़ पैलेस में शूट किए गए इस सीजन में 21 चर्चित सेलिब्रिटीज भरोसे और धोखे की अनोखी जंग लड़ते दिखाई देंगे। ट्रेलर में करण जौहर कहते नजर आते हैं कि यह खूबसूरत महल जल्द ही एक डरावने खेल का मैदान बनने वाला है। इस बार शो में 'ब्रू' नाम का एक नया रहस्यमयी किरदार भी शामिल किया गया है, जो प्रतियोगियों के लिए नई चुनौतियां लेकर आएगा। 'सर्कल ऑफ शक', गुप्त गठजोड़ और टावर एलिमिनेशन जैसे नए ट्विस्ट इस सीजन को पहले से कहीं ज्यादा रोमांचक बनाने वाले हैं।

शो में इस बार टीवी, फिल्म और सोशल मीडिया जगत की 21 चर्चित हस्तियां हिस्सा ले रही हैं। इनमें मल्लिका शेरावत, श्वेता तिवारी, रिया चक्रवर्ती, मुनव्वर फारुकी, अभिषेक मल्हान (फुकरा इंसान), क्रिस्टल

जैसलमेर के शाही महल में दिखेगा सस्पेंस रणनीति और विश्वासघात का नया खेल

डिसूजा, दलीप ताहिल, रणवीर बराड़, पारुल गुलाटी, शालिनी पासी समेत कई बड़े नाम शामिल हैं। सभी प्रतियोगियों को 'इनोसेंट्स' और 'ट्रेटर्स' की दो टीमों में बांटा जाएगा, जहां इनोसेंट्स को गद्दारों की पहचान करनी होगी, जबकि ट्रेटर्स अपनी असली पहचान छिपाकर बाकी खिलाड़ियों को खेल से बाहर करने की कोशिश करेंगे।

करण जौहर का कहना है कि इस बार खिलाड़ियों की रणनीतियां और बदलते समीकरण उन्हें भी हैरान कर देंगे। अंतरराष्ट्रीय बाफ्टा और एमी अवॉर्ड विजेता फॉर्मेट पर आधारित 'द ट्रेटर्स' सीजन 2 का प्रीमियर 13 अगस्त से प्राइम वीडियो पर होगा। इसके नए एपिसोड हर गुरुवार स्ट्रीम किए जाएंगे। भरोसे, साजिश और दिमागी खेल से भरपूर यह नया सीजन दर्शकों को आखिर तक बांधे रखने का दम रखता है।

कांवड़ यात्रा के दौरान धर्म परिवर्तन का किया दावा

बुर्के में कांवड़ लेकर निकलीं दो महिलाएं मुजफ्फरनगर में थम गईं निगाहें

यूनिक समय, लखनऊ। सावन माह की कांवड़ यात्रा के बीच उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में शुक्रवार को एक ऐसी तस्वीर सामने आई, जिसने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। बुर्का पहने दो महिलाएं–तमन्ना मलिक और अनीशा–हरिद्वार से गंगाजल लेकर कांवड़ यात्रा करती हुईं मुजफ्फरनगर पहुंचीं। दोनों को कांवड़ के साथ देखकर सड़क किनारे लोगों की भीड़ जुट गई। राहगीर और शिवभक्त उन्हें देखने के लिए रुक गए, वहीं कई लोगों ने उनके साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं।

जानकारी के अनुसार, गाजियाबाद निवासी तमन्ना मलिक और अनीशा हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने गंतव्य की ओर जा रही थीं। मुजफ्फरनगर पहुंचने पर हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने उनका फूल–मालाओं से स्वागत किया। इस दौरान दोनों महिलाओं ने दावा किया कि उन्होंने सनातन धर्म अपना लिया है और अब पूरी श्रद्धा के साथ कांवड़ यात्रा कर रही हैं। तमन्ना ने कहा कि उन्होंने अपनी इच्छा से यह निर्णय लिया है और वह अपनी आस्था के अनुसार जीवन जीना चाहती हैं।

तमन्ना ने बताया कि वह अपने परिवार की सुख–शांति और खुशहाली की कामना को लेकर यह यात्रा कर रही हैं। उन्होंने कहा कि यह उनकी पहली कांवड़ यात्रा नहीं है। इससे पहले भी वह कांवड़ यात्रा कर चुकी हैं और भविष्य में भी इस परंपरा को जारी रखेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें किसी प्रकार का भय नहीं है और वह अपने निर्णय पर कायम हैं।

जानकारी के मुताबिक, तमन्ना ने संभल निवासी अमन त्यागी से प्रेम विवाह किया था, जिसे दोनों परिवारों ने स्वीकार किया था। उन्होंने बताया कि इस बार की यात्रा पर निकलने से पहले उन्होंने अपने पति और ससुराल पक्ष से अनुमति ली थी। यात्रा के दौरान उनके पति भी साथ रहे। रास्ते में कई श्रद्धालुओं ने उनका स्वागत किया और शुभकामनाएं दीं।

फिलहाल, तमन्ना मलिक और अनीशा की कांवड़ यात्रा पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। वहीं, सावन के पावन अवसर पर कांवड़ यात्रा के दौरान मुजफ्फरनगर में सामाजिक सौहार्द और आपसी सहयोग की कई सकारात्मक तस्वीरें भी सामने आ रही हैं।

रिटायर्ड आईआरएस अफसर के क्रेडिट कार्ड पर साइबर सेंध

586 डॉलर की फर्जी ट्रांजैक्शन से मचा हड़कंप

यूनिक समय, मेरठ। मेरठ निवासी और आयकर विभाग के पूर्व प्रधान मुख्य आयुक्त रहे रिटायर्ड आईआरएस अधिकारी असित सिंह साइबर ठगी का शिकार हो गए। उनके एचएसबीसी प्रीमियर क्रेडिट कार्ड से बिना अनुमति 586.23 अमेरिकी डॉलर (करीब 50 हजार रुपये से अधिक) की फर्जी ट्रांजैक्शन कर दी गई।

घटना की शिकायत पर मेरठ साइबर थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक, नोएडा सेक्टर–44 निवासी असित सिंह निजी कार्य से मेरठ आए थे। इसी दौरान उनके मोबाइल पर विदेशी भुगतान का अलर्ट आया। जांच करने पर पता चला कि उनके क्रेडिट कार्ड से अमेरिका की प्रसिद्ध 'हट्ज़ कार रेंटल' कंपनी के खाते में भुगतान किया गया है, जबकि उन्होंने ऐसा कोई लेनदेन नहीं किया था। अलर्ट मिलते ही असित सिंह ने तुरंत बैंक से संपर्क कर कार्ड और संदिग्ध ट्रांजैक्शन को ब्लॉक करा दिया, जिससे आगे किसी बड़े नुकसान से बचाव हो सका। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि साइबर ठगों ने कार्ड का डेटा चोरी कर उसका इस्तेमाल ऑनलाइन भुगतान के लिए किया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि कार्ड की जानकारी कैसे लीक हुई और ट्रांजैक्शन भारत से हुई या विदेश से। साइबर विशेषज्ञ भी मामले की तकनीकी जांच कर रहे हैं।

धर्म परिवर्तन के बाद बढ़ा विवाद, बेटी की मौत

यूनिक समय, कानपुर। कानपुर के नौबस्ता क्षेत्र में एक परिवार ने प्रेम विवाह और धर्म परिवर्तन के बाद लगातार उत्पीड़न का आरोप लगाया है। परिवार का कहना है कि बड़ी बेटी के हिंदू धर्म अपनाने के बाद कुछ पड़ोसी उन पर दोबारा मुस्लिम धर्म स्वीकार करने का दबाव बनाते रहे। विरोध करने पर धमकियां, मारपीट और हमले की घटनाएं हुईं।

परिवार के मुखिया रशीद अहमद के अनुसार, वर्ष 2021 में घर पर हुए कथित हमले और पथराव में उनकी बेटी गुलफ्शां गंभीर रूप से घायल हो गई थी। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। उनका आरोप है कि शिकायत के बावजूद उस समय प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद 2022 में एक अन्य हमले में उनके बेटे का हाथ टूट गया। परिवार का कहना है कि इस मामले में अदालत के आदेश पर मुकदमा दर्ज हुआ।

पीड़ित परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि 4 अगस्त को एक बार फिर बेटे और अन्य परिजनों के साथ मारपीट की गई, लेकिन पुलिस ने शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की।

गुरुवार को परिवार ने डीसीपी साउथ दीपेंद्र नाथ चौधरी से मुलाकात कर पूरे मामले की शिकायत सौंपी। डीसीपी ने बताया कि शिकायत प्राप्त हो गई है और मामले की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल परिवार के आरोपों की आधिकारिक जांच जारी है।

वैवाहिक विज्ञापनों के जरिए महिलाओं को बनाता था शिकार

25 शादियां, 600 करोड़ की ठगी

रोते हुए बोले भाजपा विधायक– ऐसे आदमी को फांसी दे दो

यूनिक समय, सीतापुर। उत्तर प्रदेश के सीतापुर से एक ऐसा मामला सामने आया है जिसने हर किसी को हैरान कर दिया है। सेवता विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक ज्ञान तिवारी के समधी अनुज त्रिवेदी पर 25 से अधिक महिलाओं से शादी कर करोड़ों रुपये की ठगी करने के गंभीर आरोप लगे हैं। पीड़ित महिलाओं का दावा है कि आरोपी ने शादी का झांसा देकर करीब 600 करोड़ रुपये और बड़ी मात्रा में सोना–चांदी हड़प लिया। मामले ने तूल पकड़ने के बाद विधायक ज्ञान तिवारी ने अपनी बेटी के साथ भावुक वीडियो जारी करते हुए कहा कि यदि आरोप सही हैं तो ऐसे व्यक्ति को फांसी की सजा मिलनी चाहिए।

महाराष्ट्र और प्रयागराज की कई पीड़ित महिलाएं सीतापुर पहुंचीं और एडीएम को सामूहिक शिकायत सौंपते हुए आरोपी की संपत्ति कुर्क कर धन और जेवर वापस दिलाने की मांग की। महिलाओं का आरोप है कि राजनीतिक प्रभाव के कारण स्थानीय स्तर पर कार्रवाई नहीं हो रही थी। हालांकि प्रशासन ने मामले का संज्ञान लेते हुए पुलिस को जांच के निर्देश दिए हैं। फिलहाल आरोपी अनुज त्रिवेदी महाराष्ट्र की जेल में बंद है।

जांच के अनुसार अनुज त्रिवेदी वैवाहिक विज्ञापनों के जरिए अकेली, तलाकशुदा, दिव्यांग और असहाय महिलाओं को निशाना बनाता था। वह अलग–अलग नामों और फर्जी पहचान के सहारे शादी करता और फिर भरोसा जीतकर नकदी, गहने और संपत्ति अपने नाम करवाकर फरार हो जाता। पुलिस को शक है कि इस पूरे नेटवर्क में उसके बेटे की भी भूमिका हो सकती है।

सबसे चर्चित मामला महाराष्ट्र की एक महिला का है, जिसकी शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई शुरू की। आरोप है कि शादी के बाद आरोपी ने परिवार से लाखों रुपये लिए, फ्लैट बिकवाया और बाद में रिश्तेदारी में जाने का बहाना बनाकर महिला के करीब 33 तोला सोने के साथ फरार हो गया। इस मामले में लगभग 97 लाख रुपये की ठगी का आरोप दर्ज है।

पुलिस जांच में आरोपी के पास से फर्जी आधार कार्ड, कई मोबाइल फोन और बैंक कार्ड बरामद किए गए हैं। बताया जा रहा है कि वह वर्षों तक अलग–अलग नामों से लोगों को ठगता रहा। अब पुलिस उसके पूरे नेटवर्क, संपत्तियों और वित्तीय लेनदेन की गहन जांच कर रही है। यदि आरोप साबित होते हैं तो यह हाल के वर्षों की सबसे बड़ी वैवाहिक ठगी के मामलों में शामिल हो सकता है।

7000 करोड़ का कॉस्मेटिक फेशियल योगी सरकार पर अखिलेश यादव का तंज

यूनिक समय, लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश सरकार के विज्ञापन खर्च को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तीखा हमला बोला है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने जनता के टैक्स के करीब 7,000 करोड़ रुपये अपनी छवि चमकाने में खर्च कर दिए। अखिलेश ने तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने अपनी छवि सुधारने के लिए "7000 करोड़ का कॉस्मेटिक फेशियल" करवा लिया और इसे विश्व रिकॉर्ड जैसा बताया। सपा प्रमुख ने कहा कि यदि यही राशि शिक्षा, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं पर खर्च की जाती तो प्रदेश के युवाओं का भविष्य अधिक बेहतर हो सकता था। उनका दावा है कि इतनी रकम से केजी से पीजी और रिसर्च स्तर तक दो–तीन विश्वस्तरीय विश्वविद्यालय स्थापित किए जा सकते थे। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश आज भी बेरोजगारी, महंगाई, बिजली, पानी, सड़क, स्वास्थ्य सेवाओं और किसानों से जुड़े मुद्दों जैसी कई मूलभूत समस्याओं से जूझ रहा है।

विज्ञापन खर्च को लेकर साधा निशाना

अखिलेश यादव ने यह भी कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर शिक्षा और युवाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उन्होंने "नियो इंडिया" का जिक्र करते हुए दावा किया कि उनकी पार्टी विकास और रोजगार आधारित मॉडल पर काम करेगी तथा उत्तर प्रदेश को तरक्की और खुशहाली की नई दिशा देगी। इससे पहले भी अखिलेश यादव ने लखनऊ–कानपुर एक्सप्रेस वे की गुणवत्ता को लेकर सरकार पर सवाल उठाए थे। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो साझा करते हुए उन्होंने मरम्मत कार्य और सड़क सुखाने के लिए पंखों के इस्तेमाल पर तंज कसा था। उन्होंने कहा था कि उद्घाटन के कुछ ही दिनों बाद बार–बार मरम्मत की जरूरत पड़ना निर्माण गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े करता है। हालांकि, अखिलेश यादव के ये आरोप राजनीतिक बयान हैं। सरकार की ओर से इन आरोपों पर क्या प्रतिक्रिया आती है, इस पर अब सबकी नजरें टिकी हैं।

बसपा विधायक के निधन के बाद गांव में समर्थकों ने किए अंतिम दर्शन

यूनिक समय, बलिया। रसड़ा विधानसभा क्षेत्र से बसपा के इकलौते विधायक उमाशंकर सिंह के निधन से बलिया समेत पूरे पूर्वांचल में शोक की लहर है। शुक्रवार सुबह उनके पैतृक गांव खनवर में अंतिम दर्शन के लिए हजारों लोगों का जनसैलाब उमड़ पड़ा। गांव की गलियां समर्थकों से भर गईं और पूरे क्षेत्र में "उमाशंकर सिंह अमर रहें" तथा "जब तक सूरज–चांद रहेगा, भैया तेरा नाम रहेगा" जैसे नारों की गूंज सुनाई देती रही। भावुक माहौल के बीच लोगों ने नम आंखों से अपने लोकप्रिय नेता को अंतिम विदाई दी। विधायक के आवास पर सुबह से ही समर्थकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं का पहुंचना लगातार जारी रहा। बड़ी संख्या में महिलाएं भी अंतिम यात्रा में शामिल हुईं। कई महिलाएं अपने प्रिय नेता को याद कर बिलख पड़ीं। उनका कहना था कि उमाशंकर सिंह हमेशा बिना किसी भेदभाव के लोगों की मदद करते थे और हर वर्ग के सुख–दुख में साथ खड़े रहते थे। अंतिम दर्शन के लिए पहुंचे लोगों में जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह समेत कई प्रमुख नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की और शोक संतप्त परिवार को ढांढस बंधाया। गुरुवार देर रात जब विधायक का पार्थिव शरीर लखनऊ से उनके पैतृक गांव पहुंचा, तब भी हजारों समर्थकों की भीड़ उमड़ पड़ी थी। भीड़ के कारण कई स्थानों पर यातायात प्रभावित रहा और कस्बे के प्रमुख चौराहों पर जाम जैसी स्थिति बन गई। शोक और सम्मान के माहौल में उमाशंकर सिंह की अंतिम यात्रा निकाली गई। उनका अंतिम संस्कार बलिया के ब्यासी गंगा घाट पर किया जाएगा। समर्थकों का कहना है कि जनता के बीच उनकी लोकप्रियता और सेवा भाव उन्हें हमेशा लोगों के दिलों में जीवित रखेगा। उनके निधन से क्षेत्र की राजनीति और समाज दोनों ने एक प्रभावशाली जनप्रतिनिधि को खो दिया है।

महाराष्ट्र के वाशिम में सनसनीखेज वारदात

गर्भवती पत्नी हत्या मामले में सेना के जवान सहित तीन गिरफ्तार

यूनिक समय, वाशिम। महाराष्ट्र के वाशिम जिले के करंजा शहर में सात माह की गर्भवती महिला की संदिग्ध मौत के मामले में पुलिस ने भारतीय सेना के एक जवान और उसके माता-पिता को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, करंजा तालुका के शिवनगर निवासी और भारतीय सेना की 6वीं मराठा बटालियन में तैनात 28 वर्षीय जवान पर अपनी पत्नी दीपाली की हत्या का आरोप है। मृतका के भाई की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया। परिजनों ने आरोप लगाया है कि आरोपी के किसी अन्य महिला से संबंध थे, जिसके चलते वह अपनी पत्नी को लगातार प्रताड़ित करता था। इस विवाद को लेकर दोनों परिवारों के बीच पहले भी समझौते का प्रयास किया गया था। घटना वाले दिन आरोपी ने परिजनों को फोन कर बताया कि दीपाली घर में गिर गई है और उसे अस्पताल ले जाया गया है। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर महिला मृत मिली। मृतका के परिजनों ने मामले को संदिग्ध बताते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस ने पति और माता-पिता को किया गिरफ्तार

करंजा के एसडीपीओ मनीष ठाकरे ने बताया कि अस्पताल से सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। शव के निरीक्षण के दौरान महिला के गले पर संदिग्ध निशान पाए गए, जिसके आधार पर हत्या की आशंका बनी। इसके बाद शिकायत के आधार पर आरोपी जवान और उसके माता-पिता को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

एफसीआरए पर अमेरिकी टिप्पणी को भारत ने सख्ती से ठुकराया

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत ने विदेशी अंशदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) संशोधन विधेयक पर अमेरिकी सांसद की टिप्पणी को स्पष्ट रूप से खारिज करते हुए इसे देश का आंतरिक मामला बताया है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत से जुड़े विधायी निर्णय संसद करती है और किसी बाहरी टिप्पणी का इस प्रक्रिया पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि एफसीआरए संशोधन विधेयक पर सरकार ने अमेरिकी सांसद की टिप्पणी देखी है, लेकिन ऐसे मामलों में निर्णय लेने का अधिकार केवल भारतीय संसद को है। उन्होंने यह भी कहा कि विदेशी फंडिंग को नियंत्रित करने वाले कानून केवल भारत में ही नहीं, बल्कि अमेरिका सहित कई देशों में भी लागू हैं। इसलिए इस प्रकार की व्यवस्था को असामान्य नहीं माना जा सकता। विदेश मंत्रालय ने पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र में भारतीय जहाजों और नाविकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताया। मंत्रालय के अनुसार, भारतीय मिशन स्थानीय प्रशासन, समुद्री प्राधिकरणों और जहाजरानी मंत्रालय के साथ लगातार संपर्क में हैं, ताकि किसी भी आपात

विदेश मंत्रालय बोला संसद ही करेगी हमेशा अंतिम फैसला

स्थिति में भारतीय नागरिकों और जहाजों को तुरंत सहायता उपलब्ध कराई जा सके। सरकार ने बताया कि भारतीय मिशन कई महीनों से 24 घंटे हेल्पलाइन संचालित कर रहे हैं। इन हेल्पलाइन के माध्यम से नाविकों के साथ-साथ विदेशों में मौजूद अन्य भारतीय नागरिक भी आवश्यक सहायता प्राप्त कर सकते हैं। भारत ने सभी पक्षों से नागरिकों, व्यावसायिक जहाजों और समुद्री कर्मियों को निशाना नहीं बनाने की अपील करते हुए अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों पर सुरक्षित और निर्बाध व्यापार बनाए रखने पर जोर दिया। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के हालिया मीडिया कार्यक्रम पर पूछे गए सवाल के जवाब में विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यह एक निजी मीडिया संस्थान का आयोजन था और सरकार की इसमें कोई भूमिका नहीं थी। मंत्रालय ने यह भी कहा कि कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए गए विचारों का समर्थन सरकार नहीं करती।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन को लेकर हाईकोर्ट ने सवाल उठाए

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने जंतर मंतर पर प्रदर्शन की अनुमति से जुड़े मामले की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार से पूछा कि यदि लगातार विवाद की स्थिति बन रही है तो इस क्षेत्र को प्रदर्शन स्थल के रूप में बंद करने पर विचार क्यों नहीं किया जाता। अदालत ने कहा कि लोकतांत्रिक अधिकारों का सम्मान जरूरी है, लेकिन शहर को अनावश्यक रूप से बाधित नहीं किया जाना चाहिए। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति अमित महाजन की एकल पीठ ने की। याचिका अखिल भारतीय दलित ईसाई अधिकार संरक्षण समिति की ओर से दायर की गई थी, जिसमें दिल्ली पुलिस को जंतर मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अनुमति देने का निर्देश देने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत को बताया गया कि प्रदर्शन में अधिकतम 75 लोग शामिल होंगे और पुलिस लंबे समय से आवेदन पर कोई निर्णय नहीं ले रही है। सुनवाई के दौरान अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने अदालत को बताया कि जंतर

दिल्ली पुलिस को आवेदन पर फैसला करने का दिया निर्देश

मंतर को प्रदर्शन स्थल बनाए रखने के मुद्दे पर सर्वोच्च न्यायालय में पहले से सुनवाई चल रही है। उन्होंने कहा कि 15 अगस्त के मद्देनजर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी है और धारा 144 लागू है। उन्होंने यह आशंका भी जताई कि 75 लोगों का प्रदर्शन बाद में बड़ी भीड़ का रूप ले सकता है। याचिकाकर्ता ने शाहीन बाग मामले में सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का हवाला देते हुए, शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार की बात कही। इस पर न्यायमूर्ति महाजन ने कहा कि लोकतांत्रिक अधिकार महत्वपूर्ण हैं, लेकिन उनके कारण आम नागरिकों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। अदालत ने दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया कि वह याचिकाकर्ता के आवेदन पर 8 अगस्त तक निर्णय लेकर उचित कार्रवाई करे। इसके साथ ही याचिका का निस्तारण कर दिया गया।

पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये ने किया संयुक्त रक्षा समझौता

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच पाकिस्तान, सऊदी अरब और तुर्किये ने संयुक्त रक्षा सहयोग को नई मजबूती देते हुए 'मक्का संयुक्त रक्षा समझौते' पर हस्ताक्षर किए हैं। मक्का स्थित अल-सफा पैलेस में हुई बैठक में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान और तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने इस समझौते को अंतिम रूप दिया। समझौते के अनुसार, तीनों देशों में से किसी एक पर सशस्त्र हमला होने की स्थिति में उसे सभी सदस्य देशों पर हमला माना जाएगा और सामूहिक सुरक्षा के तहत कार्रवाई की जाएगी।

'इस्लामिक नाटो' की ओर बड़ा कदम

संयुक्त बयान में रक्षा सहयोग, सैन्य प्रशिक्षण और रणनीतिक समन्वय को और मजबूत करने की बात कही गई है। यह समझौता ऐसे समय में हुआ है, जब पश्चिम एशिया में सुरक्षा चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं। बैठक में क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी व्यापक चर्चा हुई। विश्लेषकों का मानना है कि यह समझौता तीनों देशों के बीच रक्षा साझेदारी को नई दिशा देगा और क्षेत्रीय सुरक्षा समीकरणों पर भी इसका असर देखने को मिल सकता है।

मासूम से दुष्कर्म के आरोप में पड़ोसी गिरफ्तार, पॉक्सो में केस

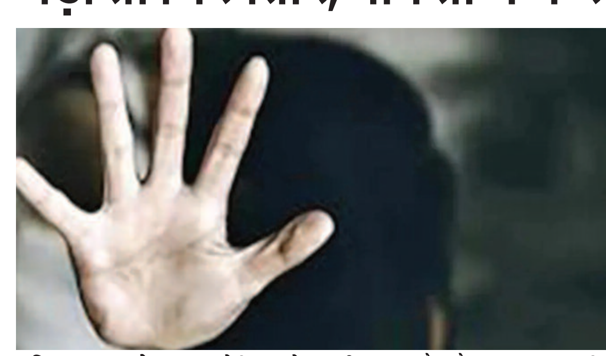

यूनिक समय, देवगढ़। ओडिशा के देवगढ़ जिले में चार वर्षीय बच्ची के साथ कथित दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पड़ोस में रहने वाले 38 वर्षीय आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में पॉक्सो अधिनियम सहित संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार, घटना बुधवार शाम की बताई जा रही है। आरोप है कि आरोपी ने बच्ची को खाने की वस्तु देने का लालच देकर अपने घर बुलाया, जहां उसके साथ कथित यौन उत्पीड़न किया। घटना की जानकारी मिलने पर बच्ची की मां ने देवगढ़ थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में आरोपों की पुष्टि होने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने पीड़िता का चिकित्सकीय परीक्षण भी कराया है और साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं। देवगढ़ के पुलिस अधीक्षक किशोर चंद्र मुंड ने बताया कि शिकायत मिलते ही सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रियाएं पूरी कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। उसे विशेष पॉक्सो अदालत में पेश कर न्यायिक प्रक्रिया के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच जारी है। यह घटना एक बार फिर बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता पैदा करती है। विशेषज्ञों का कहना है कि अभिभावकों को छोटे बच्चों को अकेले बाहर भेजने से बचना चाहिए और उन्हें 'गुड टच-बैड टच' जैसी बुनियादी सुरक्षा संबंधी जानकारी उम्र के अनुसार देना आवश्यक है। वहीं, समाज और प्रशासन की भी जिम्मेदारी है कि बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों पर त्वरित कार्रवाई के साथ दोषियों को कड़ी सजा सुनिश्चित की जाए, ताकि ऐसे अपराधों पर प्रभावी रोक लग सके।

दादा-दादी की हत्या के बाद स्कूल में बरसाईं गोलियां

यूनिक समय, नई दिल्ली। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक के पास एक स्कूल में हुई सामूहिक गोलीबारी ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। आठवीं कक्षा के एक छात्र ने पहले अपने घर में दादा-दादी की गोली मारकर हत्या की और इसके बाद स्कूल पहुंचकर छात्रों और शिक्षकों पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। इस दिल दहला देने वाली घटना में तीन शिक्षकों, चार छात्रों और हमलावर के दादा-दादी समेत कुल आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि 15 लोग घायल हो गए। घटना के बाद आरोपी छात्र ने खुद को भी गोली मार ली, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और हमले के पीछे की वजह तलाशने में जुटी है। पुलिस के अनुसार छात्र स्कूल जाने से पहले अपने घर पहुंचा और वहां मौजूद दादा-दादी को गोली मार दी। इसके बाद वह हथियार लेकर स्कूल पहुंचा, जहां अचानक फायरिंग शुरू कर दी। गोलियों की आवाज सुनते ही स्कूल परिसर में भगदड़ मच गई। छात्र जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे, जबकि शिक्षक बच्चों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने की कोशिश करते रहे। कई घायलों को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक शुरुआत में किसी को अंदाजा नहीं हुआ कि यह गोलीबारी है। कई छात्रों ने आवाज को पटाखों की आवाज समझा, लेकिन लगातार गोलियां चलने के बाद पूरे परिसर में अफरातफरी फैल गई। बचाव दल जब स्कूल पहुंचा तो ऊपरी मंजिल पर

थाईलैंड के स्कूल में अंधाधुंध फायरिंग से मचा हड़कंप

एक शिक्षक मृत मिले, जबकि एक महिला शिक्षिका गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिलीं। कई पीड़ितों की छाती, पीठ और बाहों में गोलियां लगी थीं। प्रारंभिक जांच में पुलिस को आशंका है कि हमले में इस्तेमाल की गई बंदूक छात्र ने अपने परिवार के किसी सदस्य से हासिल की थी। फिलहाल पुलिस हमले के कारणों और छात्र की मानसिक स्थिति की जांच कर रही है। इस दर्दनाक घटना के बाद पूरे थाईलैंड में शोक का माहौल है और स्कूलों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं।

महिला से दुराचार करने वाले आरोपी को दस साल की कैद

कोर्ट ने दस हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया

यूनिक समय, मथुरा। न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश/ अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश (पोक्सो एक्ट) कक्ष संख्या दो ब्रिजेश कुमार ने अभियुक्त किशन सिंह को महिला से बलात्कार करने के मामले में दस साल की कैद और दस हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

मुकदमे की पैरवी करने वाली एडीजीसी रागनी गांधी ने बताया कि अभियुक्त किशन सिंह निवासी हीरा का नगला मैनपुरी एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए आया था। महिला भी अपने मायके में होने वाली शादी में शरीक होने के लिए गई थी। 10 फरवरी 2019 को बारात जाने वाले दिन खाने का काम चल रह था। किशन सिंह ने खाना खिलाने के दौरान महिला के खाने में कोई ऐसी वस्तु मिला दी, जिससे वह बीमार हो गई। महिला अपनी छत पर जाकर सो गई। इसके बाद किशन सिंह ने उसके अश्लील फोटो मोबाइल में खींच लिए। इसके बाद उसे फोटो उसके पति को दिखाने के नाम पर ब्लेकमेल करने लगा। किशन सिंह भाड़े पर गाड़ी चलाता था। किशन सिंह 24 अप्रैल 2019 को महिला के ससुराल स्थित घर पर आया। महिला खेत में काम करने के लिए गई हुई थी। महिला को उसने रास्ते में रोक लिया और धमकी देकर उसे खेत में ले जाकर दुराचार किया। शोर करने और शिकायत करने पर तमंचे से महिला और उसके पति को जान से मारने की धमकी भी दी। इस मामले में किशन सिंह के खिलाफ थाना वृंदावन चौकी जैंत पर रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ कोर्ट में आरोप पत्र प्रेषित किया। मुकदमे की सुनवाई न्याालय अपर सत्र न्यायाधीश/ अतिरिक्त विशेष न्यायाधीश (पोक्सो एक्ट) कक्ष संख्या दो ब्रिजेश कुमार के न्यायालय में हुई। न्यायाधीश ने अभियुक्त किशन सिंह को दोषी मानते हुए उक्त सजा से दंडित किया।

स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर करना चाहिए स्वेच्छा से रक्तदान

रक्तदान शिविर शुभारंभ के मौके पर प्रभारी निरीक्षक अजय किशोर आदि।

यूनिक समय, शेरगढ़। कस्बा में पूर्णिमा ब्लड बैंक द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन समाजसेवी कपिल चेयरमैन की देखरेख में हुआ। शिविर का शुभारंभ थाना प्रभारी निरीक्षक अजय किशोर ने फीता काटकर किया।

इस अवसर पर प्रभारी निरीक्षक अजय किशोर ने रक्तदान को महादान बताते हुए लोगों से अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान करने की अपील की। उन्होंने कहा कि एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद की जान बचा सकता है, इसलिए प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर स्वेच्छा से रक्तदान करना चाहिए। शिविर में युवाओं सहित विभिन्न वर्गों के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। आयोजकों के अनुसार, करीब 100 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। रक्तदान करने वाले सभी रक्तदाताओं का सम्मान भी किया गया। सफल आयोजन पर आयोजक कपिल चेयरमैन ने सभी रक्तदाताओं, अतिथियों और सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भविष्य में भी ऐसे जनहित के कार्यक्रम आयोजित किए जाते रहेंगे।

बलदेव विधान सभा में सपा का पीडीए सम्मेलन

पीडीए सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल, साथ में पार्टी के पदाधिकारी।

प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल ने सरकार पर साधा निशाना

यूनिक समय, मथुरा। बल्देव विधानसभा क्षेत्र में शुक्रवार दोपहर समाजवादी पार्टी के पीडीए सम्मेलन का आयोजन हुआ। सपा के उत्तर प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। कार्यक्रम के बाद पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने प्रदेश सरकार पर विभिन्न मुद्दों को लेकर सवाल उठाए।

प्रदेश अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार ने संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ न्याय नहीं किया। उन्होंने कहा कि पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक (पीडीए) वर्ग को आरक्षण के अनुपात में नौकरियां नहीं मिल रही हैं। उनका दावा था कि आगामी विधानसभा चुनाव में पीडीए समाज एकजुट होकर समाजवादी पार्टी की सरकार बनाएगा। एक्सप्रेस- वे निर्माण को लेकर पाल ने सरकार पर भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी के आरोप लगाए। विधानसभा चुनाव के संबंध में उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर चुनाव लड़ेगी। पार्टी ने 300 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। राम मंदिर चढ़ावा विवाद और एसआईटी जांच पर उनका आरोप था कि एसआईटी जांच से दोषियों तक पहुंचना संभव नहीं हो पा रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि यदि प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनती है, तो वर्तमान सरकार के कार्यकाल में हुए कथित घोटालों और अनियमितताओं की उच्चस्तरीय जांच कराई जाएगी। इस मौके पर जिलाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह यादव, पदाधिकारी-कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दुर्घटना में दो युवकों की हुई मौत

बाइक को रौंदता हुआ हाइवे पर पलटा कंटेनर

यूनिक समय, मथुरा। जेबीएम कंपनी बंचारी, हरियाणा में काम करने वाले दो युवकों को बाइक से आते समय पलवल में हसनपुर चौक के फ्लाईओवर पर कंटेनर ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में दोनों की मौत हो गई। इसके बाद कंटेनर भी हाइवे पर पलट गया। बताया गया कि कोसीकलां निवासी युवक दीपक और कृष्णकांत निवासी गांव अलवाई थाना छाता जेबीएम कंपनी बंचारी में नौकरी करते थे। बीती रात वह बाइक से लौट रहे थे। रास्ते में राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर पलवल में हसनपुर चौक के फ्लाईओवर पर तेज गति से आते कंटेनर ने उन्हें रौंद दिया। दुर्घटना में दोनों युवक गंभीर घायल हो गए। इसके बाद कंटेनर हाइवे पर पलट गया। दुर्घटना का पता लगने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतकों की शिनाख्त करने के बाद उनके परिवारीजनों को सूचना दी। इसके साथ ही शवों का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त कंटेनर को भी सड़क से हटवाकर मार्ग को आवागमन के लिए सुचारू किया।

अंग्रेजी शराब ठेके के सेल्समैन की दुर्घटना में हुई मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना सुरीर के झंडा तिराहे के समीप बीती रात शराब ठेके के सेल्स मैन को पेट्रोल डलाने के लिए पंप पर जाते समये किसी वाहन ने टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। बताया गया कि नगला जयसिंह निवासी भारत झंडा तिराहे पर अंग्रेजी शराब के ठेके पर सेल्समैनी करता था। बीती रात वह बाइक में पेट्रोल भरवाने के लिए पंप पर गया। इसी दौरान किसी वाहन ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। दुर्घटना में वह गंभीर घायल हो गया। गंभीर घायल भारत को अस्पताल ले जाया गया, अस्पताल में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बिजली की आंख मिचौली से लोग परेशान

यूनिक समय, वृंदावन। बिजली की आंख मिचौली से लोग परेशान हैं। दिन के अलावा रात में भी कई -कई घंटे की अघोषित कटौती की जा रही है। यहां के लोगों की नजर जनप्रतिनिधियों की ओर है। कहते हैं कि किसी भी जन प्रतिनिधि का एक बयान भी नहीं आया है। लगता है कि जनता के बजाय अधिकारी जनप्रतिनिधियों को खुश करने में लगे हुए हैं। उनके निवास स्थान वाले फीडर से विद्युत आपूर्ति पर वह निरंतर नजर रखते हैं।

जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में युवाओं ने दिखाई प्रतिभा

यूनिक समय, मथुरा। भारत सरकार के 'नशा मुक्त भारत अभियान- विकसित भारत संकल्प' के तहत शुक्रवार को किशोरी रमण महिला महाविद्यालय में जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. राकेश चतुर्वेदी ने दीप प्रज्वलित कर किया।

जिला युवा अधिकारी अमित कुमार ने कहा कि अभियान के अंतर्गत युवाओं में नशा मुक्ति के प्रति जागरूक करने के लिए गायन-रैप, नृत्य, स्लैम पोएट्री, नुक्कड़ नाटक, शॉर्ट फिल्म-रील मेकिंग, पेंटिंग, वाद-विवाद तथा नशा मुक्त भारत विषय पर नारा लेखन प्रतियोगिताओं के माध्यम से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। प्रतियोगिता के विजेताओं में गायन प्रतियोगिता में आशु, नृत्य में अंशिका शर्मा, स्लैम पोएट्री में अंशिका सिंघल, नक्कड़ नाटक में पूर्णिया समूह, शॉर्ट फिल्म-रील मेकिंग में डॉली शर्मा, पेंटिंग में आसमा, वाद-विवाद में कृष्ण अग्रवाल तथा नारा लेखन प्रतियोगिता में अंजली मिश्रा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस मौके पर मोनिका दीक्षित, सोनम यादव, नीतू गोस्वामी, कविता कन्नौजिया, रामदत्त मिश्र, बी.के. गोस्वामी, रितु सुरेश, वी.पी. राय, ज्योतिष राय, प्रतिभा, वृषभान गोस्वामी, चंचल शर्मा, अजय कुमार,रश्मि, संध्या श्रीवास्तव,श्याम बाबू शुक्ला आदि मौजूद रहे। संचालन रामवीर शर्मा ने किया।

घेवर के नाम पर बिक रहा जहर

खाद्य विभाग का इस ओर नहीं है ध्यान

यूनिक समय, कोसीकलां। सावन और तीज-त्योहार आते ही बाजार में घेवर की धूम है। नगर की प्रतिष्ठित मिठाई दुकानों पर शुद्ध घेवर जहां 700 रुपये प्रति किलो बिक रहा है, वहीं शेरगढ़ रोड, बस स्टेंड, बाईपास, बठैन गेट, पंजाबी बाजार आदि बाजारों की दुकानों और ठेलों पर 200 से 300 रुपये किलो में घेवर के नाम पर जहर बेचा जा रहा है।

बाजार में बिकने वाले इस तरह के घेवर को लेकर स्थानीय लोगों का कहना है कि सस्ते में बिकने वाले घेवर में घटिया मैदा, सिंथेटिक रंग, नकली खोया और कई बार इस्तेमाल हुआ रिफाइंड तेल का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस तरह का घेवर के खाने से लोगों की सेहत से सीधा खिलवाड़ हो रहा है। सबसे बड़ा सवाल उठता है कि फूड एंड सेफ्टी विभाग की कार्यशैली पर है।

नागरिकों का कहना है कि कई बार शिकायत के बावजूद विभाग ने अब तक एक भी छापेमारी की कार्रवाई नहीं की है। शायद अधिकारियों को किसी फूड प्वाइजनिंग या बड़ी घटना का इंतजार है।

जब त्योहार पर ही विभाग नहीं जागेगा तो कब जागेगा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. गिरेंद्र पाल सिंह कहना है कि मिलावटी घेवर खाने से उल्टी, दस्त, पेट दर्द और फूड प्वाइजनिंग के मामले बढ़ सकते हैं। बच्चों और बुजुर्गों पर इसका सबसे ज्यादा असर होगा। सिंथेटिक रंग तो कैंसर तक का कारण बन सकते हैं।

रिश्तों की बगिया थीम पर धूमधाम से मना तीज उत्सव

हरियाली तीज महोत्सव में मौजूद जायंट्स ग्रुप और वसुधा परिवार की सदस्याएं।

राधा-कृष्ण नृत्य और रिश्तों पर आधारित प्रस्तुतियों ने जीता दिल

प्रश्नोत्तरी, जन्मदिन सम्मान और हाउजी ने बढ़ाया उत्सव का उल्लास

यूनिक समय, मथुरा। जायंट्स ग्रुप और वसुधा परिवार की ओर से हरियाली तीज महोत्सव इस वर्ष रिश्तों की बगिया थीम पर हर्षोल्लास और पारंपरिक माहौल में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में भारतीय पारिवारिक-सामाजिक रिश्तों की मिठास को नृत्य, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और मनोरंजक गतिविधियों के माध्यम से जीवंत रूप में प्रस्तुत किया गया। रंग-बिरंगी पारंपरिक वेशभूषा में सजी सदस्याओं ने उत्सव को यादगार बना दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ समय की पाबंदी गतिविधि से हुआ। इसके बाद बोर्ड मेंबरों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। जायंट्स प्रार्थना के उपरांत प्रियंका और डॉली द्वारा प्रस्तुत राधा-कृष्ण नृत्य ने सभी का मन मोह लिया। संचालन चार्टर्ड प्रेसिडेंट मीरा अग्रवाल ने किया, जबकि स्वागत की जिम्मेदारी मीनल और अनीता ने निभाई। श्वेता और प्रियंका ने पंक्चुअलटी गतिविधि और नीना अग्रवाल ने जायंट्स प्रार्थना का संचालन किया। रिश्तों की बगिया थीम के अंतर्गत रुचि-रीमा ने बहन-बहन, श्वेता-भारती ने सास-बहू, प्रियंका-अनीता ने देवरानी-जेठानी और मीनल, डॉली और प्रिया ने सखी-सहेली के रिश्ते को आकर्षक प्रस्तुति के माध्यम से दर्शाया। सरिता और रीना की मल्हार और रीता-रिया की दोस्ती पर आधारित प्रस्तुति को भी खूब सराहना मिली। ग्रुप डांस में अल्पना, निशा, रश्मि यादव, ममता शर्मा, मोना गोयल सहित अन्य सदस्याओं ने शानदार प्रस्तुति देकर तालियां बटोरीं।

कार्यक्रम में प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित हुई, जिसमें सभी सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। जुलाई और अगस्त माह में जन्मदिन मनाने वाले 28 सदस्यों को बोर्ड मेंबरों ने उपहार देकर शुभकामनाएं दीं। अंत में हाउजी, रति भोज और सौहार्दपूर्ण माहौल के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर ममता बिंदल, शशि अग्रवाल, मीरा अग्रवाल, भारती अग्रवाल, मीनू भाटिया, नीना, नम्रता सिंह सहित सभी पदाधिकारी और सदस्याएं उपस्थित रहीं।

ठेले वाले से दबंगों ने की मारपीट बांट के वार से तोड़ दिया हाथ

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर की सब्जी मंडी में ठेला लगाने वाले युवक से दबंगो द्वारा मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है।

लालाराम मार्ग, गुरुद्वारे वाली गली निवासी इरफान ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि रविवार की शाम वह सब्जी मंडी में ठेला लगा रहा था। इसी दौरान विश्लोखर, हनुमान मंदिर वाली गली निवासी जैद और बन्न वहां आए और इन दोनों ने उसके साथ लात-घूंसो से मारपीट शुरू कर दी। जैद ने जान से मारने की नीयत से बांट उठाकर सिर पर वार किया। बचाव में इरफान के हाथ टूट गया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।